देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 346 । भोपाल, शनिवार, 16 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

पानी डालने को लेकर भिड़े 2 दुकानदार, आरोन पुलिस ने किया मामला दर्ज पृष्ठ 2

- उच्च वृद्धि बनाए रखने के लिए उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा मिले
- राजनीति में जात-बिरादरी पृष्ठ 4

- दुर्घटनाओं को रोकने प्रशासन सख्त, बोरवेल खनन से पहले देनी होगी सूचना पृष्ठ 6

देश के विकास का आधार बनेगी नई शिक्षा नीति पृष्ठ 8

सांसदों के निलंबन पर गतिरोध बरकरार

दसवें दिन कामकाज रहा ठप, हुआ हंगामा

- 14 निलंबित सांसदों से मिलीं सोनिया गांधी
- सांसदों ने निलंबन के खिलाफ सदन के बाहर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर सत्र के 10वें दिन दोनों सदनों में कामकाज ठप रहा। विपक्षी दलों ने लगातार दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया। विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के सदन में बयान और इस्तीफे की मांग की। दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई।

स्पीकर ओम बिड़ला जैसे ही कुर्सी पर बैठे, हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष के सांसद वेल तक पहुंच गए। हंगामे के चलते लोकसभा 11.02 बजे और राज्यसभा 11.09 मिनट पर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई। जब 2 बजे दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। इसके बाद कार्यवाही सोमवार 18 दिसंबर तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले, शुक्रवार को सदन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने विपक्ष के 14 निलंबित सांसदों (13 लोकसभा और 1 राज्यसभा) ने प्रदर्शन किया। इनका कहना था कि दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है।

सोनिया गांधी ने इन सांसदों से मुलाकात की। जदयू सांसद ललन सिंह ने 14 दिसम्बर को कहा था कि अगर संसद में घुसने वाले अगर मुसलमान होते तो ये लोग देश-दुनिया में तूफान मचाते। उसी के नाम ये लोग देश में उन्माद मचा देते। अगर कांग्रेस के सांसद की अनुशंसा पर आए विजिटर्स ने ऐसा किया तो देखते कि इनका रवैया क्या होता। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि संसद की सुरक्षा में चूक मामले ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गृह मंत्री के बयान देने के बाद ही चल सकती है संसद : कांग्रेस

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश भी खरगे की बात पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि संसद में सुरक्षा में चूक का मामला अत्यंत गंभीर है और जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह किस मुद्दे पर दोनों सदनों में बयान नहीं देते हैं तब तक संसद का चलना संभव नहीं है। वहीं इंडिया गठबंधन पार्टियों के नेताओं ने 13 दिसम्बर को संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह को दोनों सदनों में बयान देने की मांग की है। जयराम रमेश ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने बयान देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री इस बारे में जो बयान बाहर दे रहे हैं उन्हें सदन में आकर जवाब देना चाहिए। जब तक गृहमंत्री दोनों सदनों में बयान नहीं देंगे तब तक दोनों सदनों में कामकाज होने की संभावना बहुत कम है। इस बीच पार्टी महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा सरकार दावा करती है कि उसका बनाया नया संसद भवन दुनिया में सबसे सुरक्षित इमारत है लेकिन इस घटना के बाद उसका यह दावा भी मजाक बन गया है।

संसद की सुरक्षा में चूक मुद्दे पर गृह मंत्री कोई बयान क्यों नहीं दे रहे हैं जबकि वह टेलिविजन में साक्षात्कार जरूर दे रहे हैं क्या इस मुद्दे पर सवाल करने वाले सांसदों को सस्पेंड करना न्याय है : **मल्लिकार्जुन खड़गे**

कांग्रेस के 9 सांसद समेत 14 सांसद हुए थे निलंबित

संसद की सुरक्षा चूक पर गत गुरुवार को भी दिनभर सदन में हंगामा हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा से विपक्ष के 14 सांसदों को पूरे सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया। इनमें 13 लोकसभा सांसद हैं, जिनमें कांग्रेस के 9, सीपीआई (एम) के 2, डीएमके और सीपीआई के एक-एक सांसद हैं। राज्यसभा से टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को पूरे सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया।

संसद में सेंध का साजिशकर्ता ललित झा 7 दिन की हिरासत में

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में कथित साजिशकर्ता ललित झा को अदालत ने शुक्रवार को सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पटियाला हाउस स्थित हरदीप कौर की विशेष अदालत ने ललित को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की सात दिनों की हिरासत में भेजने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

अपराधों पर अंकुश लगाने व्यापक कार्य योजना बनाएं

भोपाल, देशबन्धु। जिन जिलों में अपराध दर ज्यादा है, उन जिलों के लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना बनाई जाए, अवैध हथियारों की तस्करी को रोकने प्रभावी कार्यवाही की जाए, वहीं शराब माफिया पर अंकुश लगाने सतत कार्यवाही करें, खनिज विभाग से समन्वय स्थापित कर खनिज माफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाएं।

यह निर्देश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक इस बैठक में कहा कि प्रदेश में अपराधों के नियंत्रण और प्रधानमंत्री की स्मार्ट पुलिसिंग की अवधारणा को मूर्तरूप देने के लिए ऐसा कार्य करें जो उदाहरण बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ऐसे समुदाय हैं जिनके कुछ लोग अपराधिक प्रवृति से जुड़े हैं, उन्हें भी मुख्य धारा में लाने के प्रयास किए जाएं। डॉ. यादव ने कहा कि देह व्यापार पर अंकुश लगाने की दिशा में कार्य करें। सामाजिक स्तर और सद्भाव के साथ इस प्रकार के अपराधों में विशेष संवेदनशीलता रखें। आगामी 20-25 वर्ष की आवश्यकताओं को देखते हुए आवश्यक कार्य योजना बनाकर क्रियान्वयन प्रारंभ किया जाए। उच्च पद के प्रभार और राज्य पुलिस सेवा से अखिल भारतीय सेवा में अधिकारियों की पदोन्नति की कार्यवाही को भी गति देने की बात भी डॉ. यादव ने कही। उन्होंने कहा कि निरीक्षकों के पदों पर पदोन्नति सहित विभाग के अन्य पदों पर भी पदोन्नति में विलम्ब न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों में भी जल्द कार्यवाही की जाए। उन्होंने नगर और ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय बनाने की आवश्यकता भी जताई। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने वाहनों की आवश्यकता और उसकी पूर्ति के प्रस्ताव सहित पुलिस कर्मियों के कल्याण सहित अन्य प्रस्तावों से अवगत करवाया। वहीं पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने पुलिस विभाग की व्यवस्था और कार्य प्रणाली से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर परिसर में पुलिस बल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्यमंत्री को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पुलिस महानिदेशक एस के सक्सेना ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

पुलिसकर्मियों की आवास समस्या का निराकरण हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस कर्मियों की आवास की समस्या का निराकरण हो। पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन स्तर और पुलिस कर्मियों द्वारा निजी स्तर पर आवास की व्यवस्था के लिए सहयोग दिया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस थानों के क्षेत्र की सीमाओं के संबंध में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए इसकी योजना बनाएं। थाने के क्षेत्र की जनसंख्या, अपराध केंद्रित क्षेत्र, धार्मिक संवेदनशीलता और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर योजना बनाएं। जिन धार्मिक स्थानों में वर्ष में कई बार सवारी निकालने, चल समारोह और उत्सव की परम्परा है वहां आवागमन को सहज बनाने, आवश्यक पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। ओरछा, उज्जैन और अन्य नगरों में धार्मिक मेलों पर भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाना है।

मास्टर प्लान में हो पुलिस का दखल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जोनल मास्टर प्लान बनाते समय अथवा सरकारी भूमि के लैंड यूज में बदलाव की योजना में पुलिस भी अपराध और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखकर अपना अभिमत दे जिससे जनहित में जरूरी प्रबंध हो सकें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिसकर्मियों की दक्षता बढ़ाने के लिए मौजूदा संसाधनों में बेहतर कार्य के प्रयास करें। उन्होंने जिला स्तर पर पुलिस बैंड की आवश्यकता बताई और कहा कि हर जिले में पुलिस बैंड में बटालियन के साथ-साथ होमगार्ड में से भी इच्छुक जवानों को भी शामिल करें।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

भजनलाल बने राजस्थान के मुख्यमंत्री

- दीया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा बने उप मुख्यमंत्री
- शपथ समारोह में मोदी, अमित शाह रहे मौजूद

जयपुर, देशबन्धु। भाजना के दिग्गज नेता भजनलाल शर्मा शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में भजनलाल शर्मा के साथ ही ये दोनों नेताओं ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। अल्बर्ट हॉल में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहे। इसके अलावा कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे।

गहलोत ने भी मंच पर उपस्थिति दर्ज कराई

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भाजपा के एक प्रवक्ता ने बताया कि समारोह के लिए केंद्रीय नेताओं और राज्य के मुख्यमंत्रियों को निमंत्रण भेजे गए थे। समारोह से पहले प्रदेश की राजधानी के मुख्य मार्गों और प्रवेश मार्गों को सजाया गया। इनमें भाजपा के झंडे और केंद्र सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े पोस्टर और बैनर थे। राज्य में 200 में से 199 सीट पर हुए चुनाव में भाजपा ने 115 सीटों पर जीत दर्ज की है। करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। विधानसभा की इस सीट पर अब 5 जनवरी 2024 को मतदान होगा। भजनलाल शर्मा को एक निर्विवाद व्यक्तित्व के तौर पर जाना जाता है। भजनलाल शर्मा को सीएम बनाकर भाजपा ने पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है. किसी भी नेता का लगातार जीत दर्ज करवाना ही किसी पद के लिए कोई बड़ा पैमाना नहीं है, बल्कि आम कार्यकर्ता और नेता की निष्ठा तथा समर्पण भी बेहद अहम है।

जन्मदिन के दिन भजनलाल शर्मा की हुई ताजपोशी

दिलचस्प है कि भजनलाल शर्मा का शुक्रवार को ही जन्मदिन था। ऐसे में 15 दिसम्बर का दिन उनके लिए काफी बड़ा और ऐतिहासिक रहा। दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा के लिए भी शुक्रवार का दिन काफी महत्वपूर्ण रहा। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी से लेकर अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने शिरकत की। तमाम विशिष्ट अतिथियों के अलावा समारोह स्थल पर बड़ी संख्या में आमलोग भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण से पहले राजस्थानी लोकनृत्य और संगीत का भी आयोजन किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी तक टाली

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई अगले साल 3 जनवरी तक के लिए टाल दी।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन.भट्टी की पीठ ने मोइत्रा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि शीतकालीन अवकाश के बाद अदालत फिर से खुलने पर मामले की सुनवाई की जाएगी, क्योंकि पीठ मामले की फाइलों पर गौर नहीं कर सकी है। पीठ ने आदेश दिया, '3 जनवरी, 2024 को पुन: सूचीबद्ध करें।' भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने मोइत्रा के वकील द्वारा उल्लेख किए जाने के बाद ने बुधवार को याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। मोइत्रा ने 8 दिसम्बर को संसद के निचले सदन से अपने निष्कासन को चुनौती देते हुए संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत का रुख किया है। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर संसदीय क्षेत्र से सांसद ने अपनी याचिका में अपने निष्कासन के फैसले को 'अनुचित, अन्यायपूर्ण और मनमाना' बताया है। उनके खिलाफ कार्रवाई 'संसदीय प्रश्नों के लिए नकद' आरोप पर आचार समिति की जांच के बाद की गई थी। मोइत्रा को लेकर विवाद तब सामने आया जब बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने सितंबर 2023 में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को महुआ के खिलाफ शिकायती पत्र लिखा था। पत्र वकील जय अनंत देहाद्रई की एक शिकायत की थी आरोप लगाया गया था कि मोइत्रा ने संसद में सवाल पूछने के लिए पैसे लिया था। इसके बाद कारोबारी दर्शन हीरानंदानी ने संसद की आचार समिति को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सार समाचार

डाक विभाग ने जेल में लगाया आधार शिविर

गुना, देशबन्धु। भारतीय डाक विभाग गुना डाक संभाग के द्वारा उन नागरिकों तक आधार से संबंधित सुविधाओं को पहुंचाने के लिए जो डाकघर में आने में सक्षम नहीं है। आधार कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में संभाग का पहला कैंप जिला जेल गुना में शुक्रवार को लगाया गया है। जिसका शुभारंभ डाक अधीक्षक विनय श्रीवास्तव एवं उपअधीक्षक जेल जेएस बाथम की उपस्थिति में किया गया। शिविर के माध्यम से जेल विभाग के सभी कर्मचारी एवं बंदियों के लिए आधार की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिसमें आधार अपडेशन एवं आधार नवीनीकरण का काम निशुल्क जिला जेल गुना में किया जाएगा। आधार कैंप में डाक विभाग की तरफ से रवीन्द्र भार्गव सहायक अधीक्षक, सचिन तिवारी सिस्टम मेनेजर, कृष्कांत भार्गव, रुखसार बानो, नीलेश धाकड़ को दायित्व प्रदान किया गया है। उक्त आधार शिविर 16 दिसंबर को भी जिला जेल में किया जा रहा हैं।

खाता खुलवाने के नाम पर डिवाईस में लगवाए अंगूठे और दर्जनों महिलाओं के खातों से उठाए पैसे

विनायकखेड़ी निवासी दर्जनों महिलाओं ने की कैंट थाने में शिकायत

गुना, देशबन्धु। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम विनायकखेड़ी में महिलाओं के साथ बैंक खाता खोलने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। महिलाओं से डिवाईस मशीन पर अंगूठे का निशान लगवाया गया। जिसके बाद महिलाओं के खाते से 10 से 15 हजार रूपये की राशि गायब हो गई।

आज इस मामले में महिलाओं ने कैंट थाने में शिकायती आवेदन देते हुए कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं ने अपने शिकायती आवेदन में बताया कि 8 दिसंबर को विनायकखेड़ी का ही रहने वाला संजीव और पंचायत सचिव किसी अनजान व्यक्ति को गांव में खाता खुलवाने लेकर आए थे।

सभी महिलाओं से डिवाइस मशीन पर अंगूठे लगवाये थे। जिसके बाद महिलाओं के खातों से 10 से 15 हजार रूपए निकाल दिए गए हैं। महिलाओं ने कहा कि खाते से राशि निकलने की जानकारी हमे बाद में लगी। अब हम 4-5 दिनों से परेशान रहे हैं, लेकिन कोई संतुष्टि पूर्ण जबाव नहीं मिल रहा है। इस मौके पर गांव की ममता बाई सहरिया, भूरिया बाई, उमाबाई, शीला बाई, गुड्डी बाई, रमिया बाई, कल्ली बाई, शारदा बाई, तोजिया बाई, शांति बाई, इंद्रा, सुनीता आदि महिलाएं मौजूद रही।

दबंगों ने ट्रैक्टर और जेसीबी के साथ झोपड़ी पर बोला धावा कर दी तहस-नहस

पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने पहुंचा परिवार

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थानांतर्गत कर्माखेड़ी में एक गरीब सहरिया की झोपड़ी गांव के ही दबंगों ने तोड़ डाली। यहीं नहीं मामले में पुलिस ने कार्रवाई करना तो दूर उल्टे पति, पत्नी पर आधा दर्जन से अधिक विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर डाला। अब पीड़ित खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। वहीं पुलिस भी कोई सुनवाई नहीं कर रही है। शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचे पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। इस बारे में पीड़ित मुरारी सहरिया पुत्र मानसिंह सहरिया ने बताया कि वह पुरानी रुठियाई कर्माखेड़ी में बाप-दादा के समय से झोपड़ी बनाकर रहते आया है। गत दिवस वह मजदूरी करने गया था तब आरोपीगण राजेश यादव, मोनू यादव, सोनू यादव, ब्रजेश यादव सहित अन्य कई लोगों ने चार ट्रेक्टर, जेसीबी से अचानक झोपड़ी पर धावा बोल दिया और उसकी झोपड़ी को तोड़ दिया। जिसमें उसकी गृहस्थी को भी पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। जिसकी शिकायत लेकर पीड़ित रुठियाई पुलिस चौकी पहुंचा तो यहां पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। एसपी को दिए आवेदन में पीड़ित परिवार ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इधर पुलिस के अनुसार पूरा मामला जमीन पर कब्जा लेने को लेकर है। इस मामले में खेत मालिक ने अपने नौकर सीताराम शाक्य के द्वारा उल्टे सहरिया परिवार ही मारपीट सहित अन्य धाराओं में धरनावदा थाने में मामला दर्ज करा दिया। पुलिस ने पीड़ित के मुखिया पर धारा 341, 294, 323, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं उनके साथ हुई मारपीट एवं झोपड़ी में तोडफ़ोड़ मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची नपाध्यक्ष

गुना, देशबन्धु। वार्ड क्रमांक 16 आशीर्वाद रोड पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने शुक्रवार को नपाध्यक्ष सविता गुप्ता पहुंची। इस मौके पर नपाध्यक्ष श्रीमती गुप्ता के अलावा पूर्व पार्षद अरविंद गुप्ता, पार्षद कैलाश धाकड़, दिनेश शर्मा, गौरव तिवारी द्वारा वार्ड क्रमांक 16 आशीर्वाद रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया।

नगर पालिका परिषद द्वारा आशीर्वाद रोड का निर्माण किया जा रहा है। जिसके तहत रोड की खुदाई कर डब्ल्यूबीएम कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नगर पालिकाध्यक्ष श्रीमती गुप्ता ने रोड पर सीवर लाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा पेयजल की लाइन दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पेयजल की लाइन एवं सीवर लाइन को चार दिन में दुरुस्त करने के लिए कहा गया है। जिससे सडक़ निर्माण कार्य में तेजी आ सके। उन्होंने बताया कि सीवर एवं पेयजल लाइन दुरुस्त होने के बाद लगभग 7 दिवस के अंदर सडक़ निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे स्थानीय निवासियों एवं टेकरी मार्ग की ओर जाने वाले नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी।

कराई ग्रामीण बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

गुना, देशबन्धु। अभ्युदय यूथ क्लब एकल एकल अभियान मध्य भारत भाग अंचल गुना द्वारा ग्राम स्वराज मंच खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी खेल प्रसाल में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर अतिथियों द्वारा किया गया।

शुभारंभ अवसर पर भाग ग्राम स्वराज मंच योजना प्रमुख विनोद कुमार, एकल संरक्षक बुंदेल सिंह यादव, महिला भाग अध्यक्षा आशा रघुवंशी, भाग शिक्षा प्रभारी विकास जैन, एकल अयक्ष मदन सोनी, सचिव घनश्याम रघुवंशी, महिला समिति सचिव अंसुईया रघुवंशी, मुकेश सविता, भाग प्रशिक्षण प्रमुख नारायण सिंह ठाकुर, भाग कार्यालय प्रमुख पप्पू सिंह, अंचल अभियान प्रमुख नारायण सिंह मीणा, अंचल ग्राम स्वराज मंच योजना प्रमुख पप्पू सिंह नायक, अंचल व्यास ब्रजेश शर्मा मंचासीन रहे। तत्पश्चात विभिन्न ग्राम एवं 14 संच केंद्रों से आए छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता में अपने हुनर दिखाते हुए प्रतिभागिता निभाई। जिसमें कबड्डी, दौड़, लम्बी कूद, ऊंची कूद, कुश्ती आदि खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एकल परिचय भाग ग्राम स्वराज मंच योजना प्रमुख विनोद कुमार द्वारा दिया गया। प्रतियोगिता में चयनित छात्र छात्राओं को मंचासीन अतिथियों ने प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ये सभी चयनित खिलाड़ी 31 दिसंबर को इंदौर में होने जा रही संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में सभी संचों से संच प्रमुख उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि विधायक पन्नालाल शाक्य ने सभी विजेता छात्र छात्राओं को मेडल पहनाकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पानी डालने को लेकर भिड़े 2 दुकानदार, आरोन पुलिस ने किया मामला दर्ज

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत दुकान के आगे पानी डालने को 2 दुकानदार आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें दोनों दुकानदार घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। इधर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामले दर्ज किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नितेन्द्र कुमार जैन पुत्र वीरेन्द्र कुमार जैन (31) निवासी पुरानी गल्ला मंडी के पास आरोन ने अपने बड़े भाई पारस जैन के साथ घायल अवस्था में थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसकी मोबाइल की दुकान न्यू मार्केट में है, पास में ही इमरान पुत्र मोहम्मद मंसूरी की भी दुकान है। गत रात जब उसने अपनी दुकान के पास पानी डाला जो इमरान की दुकान के सामने बहकर निकल गया। जिस पर इमरान ने गाली गलौंच शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी ने ईंट से हमला कर दिया। जिसमें उनके सिर में खून निकल आया। वहीं हाथों-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी इमरान पर 294, 323, 324, 506 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं इस बारे में दूसरे पक्ष के इमरान पुत्र मोहम्मद खान ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत रात उसकी दुकान के आगे विक्की ने पानी फेंका था। तत्समय फरियादी ने विक्की से कुछ नहीं कहा। लेकिन कुछ देर बाद उसके पापा आए तो इमरान ने इसकी शिकायत की। जिस पर उन्होंने समझाईश देने की बात कही। लेकिन कुछ देर बाद विक्की आया और गाली गलौंच कर उसके साथ मारपीट करने लगा। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर धारा 323, 504 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया रसोई योजना का निरीक्षण, बोले

भोजन की गुणवत्ता का रखें ख्याल

आष्टा, देशबन्धु। गरीब, बेहसहारा लोगों के लिए दीनदयाल रसोई योजना के तहत 5 रूपये अल्प राशि जमा कर भरपेट भोजन की व्यवस्था प्रारंभ की है, जिसका संचालन स्थानीय नगरपालिका द्वारा कम्युनिटी हाल में किया जा रहा है। जिसका आज नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा द्वारा अपने साथी नपाउपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, पार्षद डॉ. सलीम के साथ पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं एवं नागरिकों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री मेवाड़ा ने योजना से संबंधित नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आप अपनी निगरानी में यहां आने वाले गरीब, बेसहारा लोगों को भोजन की उचित गुणवत्ता के साथ व्यवस्था जो प्रारंभ हुई है वह अनवरत रूप से जारी रहे। किसी भी प्रकार की कमी या व्यवस्थाओं में लचरता आती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर शिवनारायण मेवाड़ा, विजय मेवाड़ा, वैभव मेवाड़ा भी मौजूद थें।

सीएमओ के जन्मदिन पर नपा कार्यालय में लगा बधाई का तांता

आष्टा, देशबन्धु। जबसे नगरपालिका की कमान मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना ने संभाली है, तबसे उनकी कार्यप्रणाली को देखते हुए मानो ऐसा लगता है कि अधिकारी नहीं, बल्कि एक परिवार के मुखिया की भांति अपने अधिनस्थ कर्मचारियों को साथ लेकर नगर में निरंतर नवाचार करते हुए कार्य को अंजाम दे रहे है।

आज मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना का जन्मदिन था, कार्यालय का नजारा ऐसा था कि अपने अधिकारी को जन्मदिन की बधाई देने की होड़ कर्मचारियों में देखने को मिली। विभागवार कमरे में ले जाकर बड़े ही सम्मान व आदर से उनको जन्मदिन की बधाई दी और केक काटे गए। इसी क्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना की कार्यप्रणाली से प्रभावित जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यालय पहुंचकर सीएमओ श्री सक्सेना को बधाई दी।

बधाई देने वालों में नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि खा, धनरूपमल जैन, कन्हैयालाल गेहलोत, कोमल जैन, बद्रीलाल वर्मा, सलीम ठेकेदार, सहायक यंत्री अनिल धुर्वे, पी.के. साहू, मनोहर जावरिया, आयूषी भावसार, आदित्य तलनीकर, अरूण श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, सोनू श्रीवास्तव, विनोद सांगते, अमरदीप सांगते, कर्मचारी संघ अध्यक्ष आशीष बैरागी, गबू सोनी, मोहम्मद इसरार, यश कौशल, जगदीश वर्मा, सर्वेश भट्नागर, महेन्द्र पोसवाल, पार्वती शर्मा, लखन वर्मा, धर्मेन्द्र दिसावरी, आकाश चौहान, नरेन्द्र मालवीय, सुरेश कुशवाह सहित बड़ी संख्या में शामिल थे।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन हुए

गुना, देशबन्धु। लायंस नेत्र चिकित्सालय में स्व नेमीचंद जैन की पुण्य स्मृति में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. जैन की पत्नि विषम जैन, भाई रमेशचंद जैन, उमेशचंद जैन, पुत्र निकलंक जैन, प्रदीप जैन, पंकज कुमार जैन, पुत्रवधू नीता जैन, पोते बासु जैन, निकुंज जैन, पौत्रवधू पल्लवी जैन, नितिन जैन, प्रफुल्ल कुमार जैन, केएल जैन, जितेन्द्र जैन, शशि प्रभा जैन द्वारा दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लायंस नेत्र चिकित्सालय के अध्यक्ष राजेश सिंघल, कोषाध्यक्ष अखिलेश सोनी, संजय जैन, इअमरजीत सिंह सलूजा, रमेश खण्डेलवाल, सुनील अग्रवाल, राजीव जैन, रामकृष्ण अग्रवाल एवं अस्पताल स्टॉफ उपस्थित रहे। जिन्होंने स्व श्री जैन जी को श्रद्धा सुमन स्मरण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। नेत्र परीक्षण में 332 मरीजों का परीक्षण कर 118 मरीजों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। जिनके ऑपरेश निःशुल्क किए जाएंगे।

आगामी निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर 17 दिसंबर रविवार को भौंती, बीनागंज, कराल में किया जाएगा। लायंस नेत्र चिकित्सालय गुना में नेत्र दान की सुविधा उपलब्ध है जिससे मरनोपरांत नेत्र दान कर किन्ही दो जरूरतमंद व्यक्तियों की जिदंगी रोशन कर सकते है। अभी तक लायंस नेत्र चिकित्सालय 7 पुण्यआत्माओं ने नेत्र दान कर 14 लोगों की जिंदगी में रोशनी प्रदान की । ज्ञातव्य रहे कि लायंस नेत्र चिकित्सालय के द्वारा अब तक 63000 से अधिक के सफल मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जा चुके हैं। लायंस नेत्र चिकित्सालय में चिकित्सीय उपकरण बैंक की सुविधा किरण सेवा न्यास इंदौर के सहयोग से निःशुल्क उपलब्ध है। जिमसें व्हिल चेयर, पलंग, गद्दा, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसनट्रेटर इत्यादि उपकरण उपलब्ध है।

खेत की मेढ़ पर खम्बा लगाने की बात को लेकर 2 पक्षों में विवाद

आष्टा, देशबन्धु। नगर थाना अंतर्गत खेत पर खंबे गाड़ने की बात को लेकर दो पक्षो मे विवाद हो गया। पुलिस ने बताया कि सामरदी निवासी सुरेश पिता रामसिंह मेवाड़ा को आरोपीगण चंदरसिह मथुरा प्रसाद किशोर मेवाड़ा ने गाली गलौच कर रास्ता रोककर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। वहीं पुलिस ने दूसरे पक्ष के फरियादी किशोर पिता करण सिंह मेवाड़ा की रिपोर्ट पर गजराज कुलदीप धरम सिंह के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कराया बताया जाता है कि दोनों पक्ष का विवाद खेत पर लकड़ी के खम्बे लगाने की बात को लेकर हुआ। पुलिस ने दोनों ओर से एक दूसरे पर प्रकरण पंजीबद्ध किया।

भैंस बांधने को लेकर एक ही परिवार के 4 पक्ष भिड़े, मामला दर्ज

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत ग्राम डगराई में भैंस बांधने को लेकर एक ही परिवार के 2 पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मामले में क्रॉस प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले पक्ष के फरियादी बलरामदास पुत्र नत्थूदास बैरागी ने अपनी पत्नि वेगवती बाई के घायल अवस्था में थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत दिवस वह और पत्नि वेगवती बाई अपने खेत पर बने मकान के सामने बैठे थे। तभी लालदास बैरागी, बन्टी बैरागी, सकुन बाई ,रमेशदास बैरागी आये और चारो बोले कि तुमने भैंस हमारी जगह पर क्यो बांधी है। जिस पर फरियादी ने कहा कि मैने भैंस अपनी जगह मे बांधी है तुम्हारी जगह मे नहीं बांधी है।

इसी बात पर चारों ने गाली गलौंच कर मारपीट कर शुरू कर दी। जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। वहीं बीच बचाव करने आई पत्नी के साथ आरोपियों ने मारपीट की। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

इधर दूसरे पक्ष के फरियादी बन्टी उर्फ सोनू बैरागी ने अपनी माँ सकुनबाई के साथ पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि भैंस के खूटा ठोकने के ऊपर से ताऊ बलराम व ताई वेधवती बाई ने उसके साथ गाली गलौंच कर मारपीप्ट की। जिसमें उसे चोटें आइ है। उसे बचाने आई उसकी मां के साथ भी ताऊ-ताई ने मारपीट की। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर धारा 323, 294, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

पुरानी गल्ला मंडी में घुसे रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली

तेलघानी चौराहे पर बन रहे जाम के हालात

गुना, देशबन्धु। प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों की राह मुश्किलों भरी हो रही है। सडक़ों किनारे होने वाली अवैध पार्किंग की वजह से ऐसी स्थिति बन रही है। शहर में ट्रैक्टर- ट्रालियों का भी प्रवेश हो रहा है, जिससे व्यवस्था भी बिगड़ रही है। दरअसल कृषि उपज मंडी में आ रहे वाहन पुरानी गल्ला मंडी में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। इस वजह से तेलघानी चौराहे पर इन दिनों दिन भर जाम लगता रहता है।

पुरानी गल्ला मंडी में आने वाले वाहनों के कारण पहले से ही ट्रैफिक और जाम की समस्या हो रही है। हालांकि यातायात विभाग इन दोनों सडक़ पर खड़े हुए वाहनों की चालानी कार्यवाही की मुहिम चला रखी है इसके बावजूद कई क्षेत्रों में सडक़ पर अतिक्रमण बरकरार है। शुक्रवार को तेलघानी चौराहे पर दोपहर में वाहन बड़ी संख्या में आ गए। जिससे हनुमान चौराहे से तेलघानी चौराहे तक बड़ी संख्या में वाहन दिखाई दिए। वहीं तेलघानी से बड़े पुल के बीच में बैंक और मॉल खुलने से ट्रैफिक की समस्या और बढ़ती जा रही है। पिछले कई दिनों इस इलाके में सडक़ पर लग रही वाहनों की भीड़ से इस सडक़ पर जाम की स्थिति बन रही है। पार्किंग की व्यवस्था न होने से सडक़ पर ही वाहन पार्क किये जा रहे हैं। कई स्थानों में पार्किंग होने के बावजूद वाहनों को खड़ा नहीं किया जा रहा है। पुरानी गल्ला मंडी में आ रहे वाहन शहर की पुरानी गल्ला मंडी में बनी दुकानों में भी किसान बड़ी संख्या में आ रहे हैं। जिससे यहां पूर्व से मौजूद लोडिंग वाहनों व ट्रेक्टर ट्रालियों की संख्या अचानक बढऩे से मंडी की आसपास की सडक़ों पर जाम के हालात देखे गए। वहीं तेलघानी से हाट रोड की सडक़ किनारे भी बड़ी संख्या में वाहनों की पार्किंग सडक़ पर ही की जा रही है। जिससे वाहनों के कारण सडक़ पर जाम लगता था। दरअसल शहर में कहीं भी वाहन पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में रोजाना तेलघानी, एबी रोड, सदर बाजार और हाट रोड सहित शहर के लगभग सभी मार्गों पर ट्रैक्टर- ट्राली और बाइक सहित अन्य सभी तरह के वाहन सडक़ों के किनारे ही खड़े किए जाते हैं। इतना ही नहीं मुख्य मार्गों पर स्थित व्यवसायिक कॉम्पलैक्स या अन्य प्रतिष्ठानों में आने वाले लोग भी सडक़ों पर ही वाहन खड़े करके चले जाते हैं। ऐसे में न सिर्फ सडक़ें बाधित होती है, बल्कि हादसे भी बढ़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा सडक़ पर खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई नहीं की जाती हो। समय-समय पर कार्रवाई भी करती रहती है, लेकिन इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है। शहर के एबी रोड, लक्ष्मीगंज, सदर बाजार, निचला बाजार, हाट रोड, तेलघानी चौराहा आदि स्थानों पर यातायात बाधित होने की समस्या सबसे ज्यादा सामने आ रही है। इससे लोगों को परेशानियां हो रही है।

राजधानी

सार समाचार

उप मुख्यमंत्री रीवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल 16 दिसंबर को रीवा प्रवास में रहेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे सिरमौर चौराहा सब्ज़ी मंडी, रीवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा रही है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में 2 सौ शिक्षकों को दिया गया मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण

भोपाल, देशबन्धु। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा श्यामला हिल्स स्थित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 8 विभिन्न बैच में गणित, भौतिकी, जीव विज्ञान, विज्ञान, रसायन विज्ञान और अंग्रेजी के शिक्षकों को 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सी.बी.एस.ई. की मूल्यांकन पद्धति एवं शिक्षाशास्त्र विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 200 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। विभाग द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय, सी.एम. राइज विद्यालय एवं ज्ञानोदय विद्यालय के 9वीं से 12वीं कक्षा के शिक्षक इस प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण में प्रयोगशाला गतिविधियों को सुव्यवस्थित कर मजबूत करने के बारे में बताया गया। इसका उद्देश्य शिक्षकों का ऐसा समूह तैयार करना है जो गुणात्मक मूल्यांकन पत्र तैयार कर मूल्यांकन मानदंडों के उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित कर सकें।

पीएमएवाय शहरी में हितग्राहियों को घर बनाने 8 करोड़ 68 लाख जारी

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 1087 हितग्राहियों को घर बनाने के लिये 8 करोड़ 68 लाख 75 हजार रूपये जारी किये गये हैं। इसमें से प्रथम किश्त के रूप में 127 हितग्राहियों को एक करोड़ 27 लाख, द्वितीय किश्त के रूप में 524 हितग्राहियों को 5 करोड़ 24 लाख और तृतीय किश्त के रूप में 436 हितग्राहियों को 2 करोड़ 17 लाख 75 हजार रूपये जारी किये गये हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री भरत यादव ने बताया है कि प्रथम किश्त की राशि यूनिक स्तर की जियो टेगिंग, द्वितीय किश्त लिंटल स्तर की जियो टेगिंग और तृतीय किश्त कम्पलीट स्तर की जियो टेगिंग के आधार पर जारी की गयी है।

नाटक और छाऊ शैली में नृत्य नाटिका के साथ 'अनुगूंज' का समापन

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कला से समृद्ध शिक्षा के तहत आयोजित दो दिवसीय अनुगूँज समारोह का समापन शुक्रवार 15 दिसम्बर को नाट्य प्रदर्शन के साथ हुआ। वर्ड क्लासिक्स की केन्द्रीय थीम पर सजे अनुगूँज की समापन संध्या के कार्यक्रमों का शुभारंभ वरिष्ठ नाट्य अभिनेता-निर्देशक श्री आलोक चटर्जी तथा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, संचालक श्री के.के. द्विवेदी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मंच पर उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि अनुगूँज का यह पाँचवा संस्करण है।

द्वितीय दिवस रंगकार के अंतर्गत सर्वप्रथम स्कूली विद्यार्थियों ने विश्व के छः देशों की प्रार्थनाओं की सांगीतिक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का आगाज़ किया, जिसका निर्देशन संगीत शिक्षक श्री मधुर शर्मा द्वारा किया गया। इसके बाद छाऊ शैली में चक्रबीहु नृत्यक नाटिका में महाभारत के अभिमन्यु युद्ध प्रसंग को विद्यार्थियों ने मंच पर साकार किया। इस नृत्य नाटिका का निर्देशन अतंर्राष्ट्रीय बैले निदेशक श्री दयानिधि मोहन्ता ने किया। इसके बाद मणिपुरी लोक कथा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति काबुई केओईबा की मनमोहक प्रस्तुति में 70 विद्यार्थी ठेठ मणिपुरी अंदाज की वेशभूषा और संवाद अदायगी करते नज़र आये। इस नाटक का निर्देशक राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नाट्य निदेशक श्री सौरभ अनंत थे। रंगकार की अंतिम प्रस्तुति में मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगबिरंगी वेशभूषा में बैग पाइपर बैण्ड से विभिन्न धुनों पर दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया। समारोह के अंत में क्लोजिंग म्यूज़िक पर नाचती ट्रस लाईट्स पर विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को अगले वर्ष पुन: मिलने के वादे के साथ विदाई दी। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने निरन्तंर तालियों के साथ बाल कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

सृजन प्रदर्शनी में दिन भर रही भीड़

अनुगूँज के सृजन भाग में माटीकला कार्यशाला, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी कार्यशाला, एंकर कार्यशाला और चित्रकला कार्यशालाओं में अपने हुनर को तराशते विद्यार्थियों की सहज अभिव्यक्ति और उनकी कलात्मक अभिरूचियों को एक प्रदर्शनी में सजाया गया था। इस प्रदर्शनी में दिन भर विद्यार्थियों और आम जन की भीड़ रही। अनुगूँज का यह पाँचवा आयोजन शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया, जिसमें शासकीय विद्यालयों के लगभग 700 विद्यार्थियों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस वर्ष भोपाल के इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में इंदौर संभाग की नृत्य प्रस्तुति भी थी, जिसमें इंदौर के लगभग 50 विद्यार्थी सहभागी थे।

उल्लेखनीय है कि, अनुगूँज स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वैश्विक शिक्षा प्रणाली स्ञ्श्वरू (साइंस, टैक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, आर्टस और मैथेमेटिक्स) की तर्ज पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दिशा में %%कला से समृद्ध शिक्षा का अभिनव आयोजन है। विभागीय संकल्पना के अनुरूप, अब अनुगूंज का आयोजन अन्य संभागों में भी किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है भारत सरकार के द्वारा परिकल्पित एक भारत ङ्क श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम में सांस्कृतिक आदान ङ्क प्रदान के लिए मध्यप्रदेश को मणिपुर एवं नागालैंड जैसे उत्तर पूर्वी राज्यों के साथ समूहबद्ध किया गया है, जिससे अंतर्राज्यीय संस्कृति, कलाओं एवं शैलियों को जानने का अवसर मिलता है। इस तारतम्य् में देखें तो अनुगूँज 2023 में इन राज्यों की सांस्कृतिक झलक भी दिखाई पड़ी है।

एम.पी. ट्रांसको के इंजीनियर्स नयी तकनीकों को अपनाए: दुबे

भोपाल, देशबन्धु। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने कहा कि एम.पी. ट्रांसको के इंजीनियरों ने अपने अथक परिश्रम से एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी को देश की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से एक बनाया है। उन्होंने कहा कि एम.पी. ट्रांसको ने अनेक नवाचार किए हैं, जिसमें ड्रोन द्वारा ट्रांसमिशन टॉवरों की पेट्रोलिंग जैसे कार्य शामिल हैं। इसे समूचे देश में सराहना मिली है। एम.पी. ट्रांसको द्वारा प्रदेश के महानगरों में सबस्टेशन बनाने के लिए भूमि की कमी को देखते हुए कम स्थान में जीआईएस सबस्टेशन बनाये जाने के निर्णय को उचित बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जीआईएस सबस्टेशन के साथ अंडर ग्राउंड सबस्टेशन ही विकल्प रह जायेगा। श्री दुबे ने यह बात जबलपुर में एम.पी. ट्रांसको की समीक्षा बैठक में कही।

श्री दुबे ने एम.पी. ट्रांसको के इंजीनियरों का आव्हान किया कि वे अपनी उपलब्धियों एवं नवाचारों को राष्ट्रीय फोरम में रखें। सिस्टम में ज्यादा से ज्यादा नवाचार करने के साथ नयी तकनीकों का भी समावेश करें, जिससे ट्रांसमिशन सिस्टम समय के साथ अपग्रेड होता रहे। उन्होंने ट्रांसमिशन लाइनों की ट्रिपिंग और पावर ट्रांसफार्मर फेल्यूर की समीक्षा भी की। ट्रांसमिशन एलीमेंट की सतत् निगरानी और उनके त्वरित सुधार के निर्देश दिए। बैठक में एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कंपनी की वर्तमान गतिविधियों से अवगत कराया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किए माँ शारदा के दर्शन

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज प्रात: मैहर में माँ शारदा देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने सपत्नीक मैहर मंदिर में हवन पूजन कर प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, मैहर और रीवा के स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस में कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड से प्रशासनिक गतिविधियों और विकास के संबंध में चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने किया चित्रकूट में वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ का लोकार्पण

सनातन धर्म के संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा विद्यापीठ: शुक्ल

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि धैर्य और संयम के साथ अपने कर्तव्यों को पूरा करना ही राजनीति का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की पवित्र धार्मिक नगरी में श्री बलराम देशिक संस्कृत विद्यापीठ द्वारा संचालित प्रियंबदा बिड़ला वैदिक एवं संस्कृत विद्यालय हमारी संस्कृति और सनातन धर्म के संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल चित्रकूट के नयागांव में आचार्य आश्रम के समीप नवनिर्मित प्रियंबदा बिड़ला वैदिक एवं संस्कृत विद्यालय के भव्य भवन के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

आचार्य आश्रम नयागांव के पूज्य श्री डॉ बदरी प्रपन्नाचार्य जी महाराज, वरुण प्रपन्नाचार्य जी महाराज, चित्रकूट के साधु-संतों की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने वैदिक मंत्रो और श्लोक के बीच विधि विधान पूर्वक वैदिक एवं संस्कृत विद्यापीठ का लोकार्पण किया। उन्होंने संस्कृत विद्यालय के प्रत्येक पठन कक्षों में जाकर पठन-पाठन के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

मध्यप्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश की जनता ने सरकार को इतना बड़ा जनादेश दिया है। यह जनादेश जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए है। राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश को देश का विकसित और सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही विंध्य क्षेत्र को हिंदुस्तान का सबसे बेहतर और समृद्धशाली क्षेत्र बनाने का संकल्प भी पूरा होगा।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में धार्मिक, वाइल्डलाइफ, पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। चित्रकूट की पावन धरती पर जहां श्री राम के चरण पड़े, वहां की धरती पर बहुमूल्य खनिज, लाइमस्टोन, हीरे जवाहरात, बॉक्साइट जैसी संपदा मौजूद है। नर्मदा घाटी विकास के अधिकारियों के साथ बरगी की नहर मैहर और सतना लाने के प्रयासों की समीक्षा बैठक हुई है। नर्मदा का पानी मंदाकिनी नदी तक सीधा नहीं ला सकते, इसलिए बांध बनाकर पयस्वनी नदी तक पानी छोड़ा जाएगा। पयस्वनी नदी के पानी से मंदाकिनी को सदानीरा बनाया जाएगा।आचार्य आश्रम के स्वामी श्री बदरी प्रपन्नाचार्य जी ने संस्कृत विद्यालय के 1982 में स्थापना काल से अब तक की प्रगति का रेखांकन करते हुए संस्कृत विद्यालय की स्थापना और भवन निर्माण के लिए सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल को संस्कृत भाषा में रचित अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता शुक्ला के साथ आचार्य आश्रम की यज्ञशाला में हवन पूजा भी की।

संस्कृत विद्यालय नयागांव का भवन निर्माण विंध्या टेली लिंक्स लिमिटेड के सीएसआर मद से किया गया है। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश सरकार के राज्यमंत्री श्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, विधायक मुड़वारा श्री संदीप जायसवाल, विधायक मनगवां श्री नरेंद्र प्रजापति सहित रीवा, सतना, मैहर, कटनी, छत्तीसगढ़ से आए हुए जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मप्र टूरिज्म बोर्ड और पुलिस विभाग का संयुक्त आयोजन

निर्भया दिवस पर सुरक्षा संवाद एवं संकल्प कार्यक्रम

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल का संचालन प्रदेश में किया जा रहा है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में आने वाले महिला पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। निर्भया दिवस पर विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्भया दिवस पर मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और पुलिस विभाग सामुदायिक पुलिसिंग योजना के समन्वय से सुरक्षा संवाद एवं संकल्प कार्यक्रम का आयोजन होटल पलाश रेसीडेन्सी में 16 दिसम्बर 2023 को दोपहर 3 बजे से किया जाएगा।

कार्यक्रम में सेफ ऑटो ड्राईवर, बेस्ट परफार्मेंस/चेंज मेकर्स तथा अन्य पुरस्कारों कावितरण किया जावेगा साथ ही परियोजना अन्तर्गत पर्यटन बोर्ड एवं पुलिस विभाग द्वारा प्रशिक्षित युवतियों के माध्यम से आत्मरक्षा प्रशिक्षण विधा का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा संबंधी विषयों पर विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित ऑटो/टैक्सी ड्रायवर्स एसोशिएशन के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जायेगा।

तनी बादलों की चादर, मौसम में घुली ठंडक, लुड़का तापमान

सड़कों पर पसरा सन्नाटा, बाजारों की रौनक पर पड़ने लगा असर, पारा 8.5 डिग्री पहुंचा

टीकमगढ़, देशबन्धु। मौसम के मिजाज ठंडे होते नजर आने लगे हैं। मौसम में घुली ठंडक और सर्द हवाओं ने लोगों के गर्म कपड़े निकलवा दिए हैं। एक ओर शादियों के मौसम में शहनाईयों की गूंज बनी हुई है, वहीं मौसम के बदल मिजाजों ने विवाह घरों में आने वालों की हालत पतली कर दी है। मौसम में घुली ठंडक के चलते बाजारों की रौनक भी जल्दी शांति होने लगी है। सड़कों पर सन्नाटा भी जल्दी पसरने लगा है। बताया गया है कि जिले में बीते तीन दिनों से रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। गुरुवार रात न्यूनतम तापमान 8.5 रिकार्ड किया गया। जो अब तक का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। कृषि महाविद्यालय के मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आगामी 48 घंटे में रात के तापमान में अधिक गिरावट दर्ज होने का अनुमान लगाया गया है।

पिछले 1 सप्ताह से दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को दिन का तापमान 26.5 और रात का तापमान 9. 8 रिकार्ड किया गया था। मंगलवार को दिन का तापमान 24.02 और रात का तापमान 11 डिग्री रहा। बुधवार को दिन का तापमान 24.5 और रात का तापमान 9.8 रिकार्ड किया गया। गुरुवार को दिन का तापमान 26.5 और रात का तापमान 9.6 रिकार्ड किया गया है। कृषि कॉलेज के मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार रात अब तक का सबसे कम 8.5 तापमान रिकार्ड किया गया है। इसके अलावा आगामी दो दिनों में रात के तापमान में और अधिक गिरावट होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव

भोपाल, देशबन्धु। अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा ने कहा कि स्थानीय सी.एम. राइज विद्यालयों की लैंडस्केप प्लानिंग जनजातीय संस्कृति को ध्यान में रखकर की जाए ताकि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बने। विद्यालय की लैंडस्केपिंग का विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ना चाहिए। वहां की क्षेत्रीय विशेषताओं, कला और भौगोलिक परिवेश आधारित ऐसी लैंडस्केपिंग की जानी चाहिए जिसका रख-रखाव भी आसान हो। वे आज यहां जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विभागीय सी.एम. राइज विद्यालयों के लैंडस्केप प्लानिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कार्यशाला में निर्माण एजेंसी, पी.आई.यू, पुलिस हाउसिंग, बी.डी.सी., एप्को, मैनिट, एस.पी.ए. के प्रतिनिधियों के अलावा विभागीय अधिकारी, इंजीनियर्स और प्राचार्य तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों के 89 विकासखंडों में बनने वाले जनजातीय सी.एम. राइज विद्यालयों के आर्किटेक्ट शामिल हुए।

प्रत्येक सी.एम. राइज विद्यालय का लैंडस्केप डिजाइन अनूठा हो

जनजातीय कार्य विभाग के अपर आयुक्त डॉ. सत्येन्द्र सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यालय का लैंडस्केप डिजाइन अनूठा होना चाहिए। विद्यालय के परिवेश व वातावरण के साथ उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं व सुविधाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन करने की जरूरत है।

लैंडस्केप फर्स्ट इंप्रेशन होता है इसलिए प्लानिंग जरूरी

कार्यशाला के पहले सत्र को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) की चीफ लैंडस्केपिंग आर्किटेक्ट प्रो. सविता राजे ने संबोधित किया। उन्होंने लैंडस्केप डिजाइन के मूल सिद्धांतों, आवश्यकताओं और तकनीक और गाइडलाइन के बारे में जानकारी दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी भवन या कैंपस का लैंडस्केप डिजाइन ही उसका फर्स्ट इंप्रेशन होता है इसलिए इसकी प्लानिंग का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आकर्षक व सृजनात्मक लैंडस्पेक डिजाइन विद्यार्थियों व शिक्षक की सृजनात्मकता बढ़ाने का कार्य करता है। वहां का लैंडस्केप ऐसा होना चाहिए कि विद्यार्थी को कक्षा से बाहर आने पर उत्साह की अनुभूति हो। विद्यालय के पर्यावरण और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण हितैषी लैंडस्केप डिजाइन किया जाना चाहिए।

अभिमत

अगर हम इस साल की दोनों तिमाहियों यानी अप्रैल से सितंबर की अवधि को एक साथ जोड़ लेते हैं तो जीडीपी में वास्तविक रूप से 7.7 प्रश की वृद्धि हुई है। इस दर से पूरे वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि निश्चित रूप से 7 प्रति सैकड़ा को पार कर जाएगी और भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना देगी। युद्ध, मुद्रास्फीति, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जियो पोलिटिकल तनाव और अनिश्चितता के कारण उथल-पुथल के कठिन समय में जीडीपी वृद्धि प्राप्त करना एक बहुत ही शानदार उपलब्धि है।

उच्च वृद्धि बनाए रखने के लिए उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा मिले

डॉ.अजीत रानाडे

सरकार ने इस साल 30 नवंबर को जुलाई से सितंबर तक की अवधि यानी दूसरी तिमाही के आर्थिक आंकड़े प्रकाशित किए। इन्हें राष्ट्रीय आर्थिक उत्पादन का त्वरित अनुमान कहा जाता है। वे आउटपुट संख्याओं के दो व्यापक सेट अर्थात सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिए प्रदान किए जाते हैं। पहला सेट प्रत्येक व्यक्तिगत उत्पादक या क्षेत्र अथवा उद्योग द्वारा अर्थव्यवस्था में जोड़े गए मूल्य का एक उपाय है। यह निश्चित रूप से सभी उत्पादकों में मापा जाता है, चाहे वे किसान हों, छोटे उद्यमी हों या बड़ी कंपनियां। जीवीए इस प्रकार इनपुट को आउटपुट में परिवर्तित करने में जोड़े गए मूल्य को मापता है। उत्तरार्द्ध यानी जीडीपी एक निश्चित अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं या सेवाओं का मूल्य है जो वार्षिक जीडीपी या त्रैमासिक जीडीपी हो सकता है। इसे तीन अलग-अलग तरीकों से मापा जाता है- या तो सभी उत्पादन के मूल्य के रूप में अथवा सभी व्यय के या सभी आय के। तीनों एक ही परिणाम देते हैं क्योंकि जो बेचा जाता है उसका कुल मूल्य उन लोगों की आय का भी प्रतिनिधित्व करता है जो बेचे जाते हैं। जीवीए और जीडीपी के बीच एकमात्र अंतर भुगतान किए गए करों या प्राप्त सब्सिडी का है। आम तौर पर जीडीपी हमेशा जीवीए से अधिक होती है क्योंकि सरकार वास्तविक कर लगाती है जिसका संग्रह सब्सिडी से अधिक होता है।

चालू मूल्य पर जुलाई से सितंबर की अवधि के लिए मापी गई जीडीपी 72 लाख करोड़ रुपये रही जो पिछले साल की समान अवधि में 66 लाख करोड़ रुपये थी। इस ओर पिछले वर्ष की समान दो तिमाहियों के लिए जीवीए क्रमशः 64 और 59 लाख करोड़ था। इस तिमाही दर पर चालू कीमतों पर वार्षिक जीडीपी चालू वित्त वर्ष के दौरान 300 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। यह दस साल पहले 2012 की तुलना में तीन गुना या 200 प्रतिशत अधिक होगा। जीडीपी और जीवीए के लिए बढ़ती कीमतों के असर को हटाकर इन्हीं आंकड़ों की जांच करने की जरूरत है। ऐसे में जब पिछले चार साल से मुद्रास्फीति औसतन पांच प्रतिशत के करीब है, मौजूदा कीमतों पर मापा जाने वाला जीडीपी या जीवीए में वृद्धि 'वास्तविक' तस्वीर नहीं है क्योंकि इसमें 'बढ़ा-चढ़ाकर' बताया जाना वाला घटक भी है। मुद्रास्फीति के प्रभाव को हटा दें तो दूसरी तिमाही के दौरान जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही जो पिछले साल की 6.2 फीसदी से ज्यादा है। यह काफी प्रसन्नता की बात है।

अगर हम इस साल की दोनों तिमाहियों यानी अप्रैल से सितंबर की अवधि को एक साथ जोड़ लेते हैं तो जीडीपी में वास्तविक रूप से 7.7 प्रश की वृद्धि हुई है। इस दर से पूरे वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि निश्चित रूप से 7 प्रति सैकड़ा को पार कर जाएगी और भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना देगी। युद्ध, मुद्रास्फीति, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जियो पोलिटिकल तनाव और अनिश्चितता के कारण उथल-पुथल के कठिन समय में जीडीपी वृद्धि प्राप्त करना एक बहुत ही शानदार उपलब्धि है।

इसलिए हमें तीन चीजों की जांच करने की जरूरत है। सबसे पहले तो इस सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कौन से घटक प्रेरित कर रहे हैं? दूसरा, क्या यह मध्यम से लंबी अवधि में टिकाऊ है और तीसरा, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के लाभ लोगों के विभिन्न वर्गों, उनकी आजीविका, आय और रोजगार के संदर्भ में लाभ के रूप में क्या बदलाव आ रहे हैं।

पहले सवाल का जवाब यह है कि उपभोक्ता खर्च की तुलना में सरकार का खर्च और निवेश खर्च बहुत तेजी से बढ़ा है। ध्यान रखें कि सरकारी खर्च 10 प्रश और निवेश खर्च (जिसे पूंजी निर्माण भी कहा जाता है) 30 फीसदी बढ़ा है। बाकी का खर्च उपभोग खर्च है जो खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा है। वर्तमान में शुद्ध निर्यात मुश्किल से 1 या 1.5 प्रतिशत है। गत वर्ष की तुलना में जुलाई से सितंबर की नवीनतम तिमाही के दौरान सरकारी खर्च 19 फीसदी की दर से बढ़ा। इस तिमाही में यह 7 लाख करोड़ रहा जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 5.9 लाख करोड़ था। इसी तरह, निवेश खर्च पिछले साल की तुलना में 13 प्रति सैकड़ा बढ़कर 21.5 लाख करोड़ हो गया जो पिछले साल 19.1 लाख करोड़ था। स्पष्ट रूप से ये दोनों एक शानदार गति से विकास दर को चला रहे हैं। दूसरी ओर, उपभोक्ता खर्च पिछले साल की तुलना में इस तिमाही में सिर्फ 8 प्रति सैकड़ा बढ़ा। ये सभी नाममात्र के आंकड़े हैं जिन्हें मुद्रास्फीति और बढ़ती कीमतों के प्रभाव के लिए समायोजित नहीं किया गया है।

यदि आप मुद्रास्फीति के लिए सही आंकलन करते हैं तो उपभोक्ता खर्च केवल 3 प्रतिशत के आसपास बढ़ रहा है और यह सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत बनाता है। यदि मध्यम अवधि में वास्तविक जीडीपी वृद्धि की गति को 7 फीसदी बनाए रखना है तो उपभोक्ता खर्च घटक को 6 या 7 प्रतिशत के करीब बढ़ना होगा। इसका मतलब है कि जुलाई से सितंबर की नवीनतम तिमाही के दौरान यह (वास्तविक रूप में) जिस दर से बढ़ी है, उसे दोगुना करना। यदि रोजगार, मजदूरी और खुदरा ऋणों में अनुरूप वृद्धि होती है तो उपभोक्ता खर्च की गति को बनाए रखा जा सकता है। खुदरा ऋणों में आवास ऋण शामिल हैं जो विकास में महत्वपूर्ण सहयोगी हो सकते हैं। उच्च मुद्रास्फीति उपभोक्ता भावना पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है क्योंकि लोग विवेकाधीन वस्तुओं पर खर्च में कटौती करते हैं। निवेश खर्च बढ़ रहा है जो एक बहुत अच्छा संकेत है। इसमें निजी पूंजीगत खर्च का एक बढ़ता हुआ घटक होना चाहिए और इसे केवल बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च पर निर्भर नहीं होना चाहिए। राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करने वाली सरकार घाटे की स्थिति से बाधित है इसलिए इसे नियंत्रित करने की जरूरत होगी। छमाही आधार पर वर्तमान कीमतों पर जीडीपी का सरकारी घटक 9 प्रतिशत बढ़ा जो उपभोक्ता खर्च घटक की तुलना में थोड़ा अधिक है। फिर भी, हम 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के करीब आ रहे हैं इसलिए इस वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार के पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने की संभावना है जो जीडीपी विकास को अतिरिक्त ताकत प्रदान करेगा।

यह उपभोक्ता और निवेश खर्च में वृद्धि की निरंतरता पर निर्भर करता है कि मध्यम से दीर्घावधि में 7 या 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रह सकती है या नहीं। भारत बड़े निवेश प्रवाह को आकर्षित कर रहा है तथा कई क्षेत्रों में बहुत सकारात्मक विकास दृष्टिकोण है। इसलिए विकास को बनाए रखने के लिए केवल मूल्य व नीतिगत स्थिरता और राजकोषीय विवेक की आवश्यकता होती है। जहां तक तीसरे सवाल की बात है कि विकास के लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक कैसे पहुंच रहे हैं, हमें सर्वेक्षणों के माध्यम से अधिक सूक्ष्म आर्थिक आंकड़ों की आवश्यकता होगी। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा बढ़ती रोजगार संख्या और उच्च श्रम बल भागीदारी दर का संकेत दे रहा है। वास्तविक मजदूरी दरों में वृद्धि की पुष्टि करने की आवश्यकता है।

चूंकि उपभोक्ता खर्च में वृद्धि की वर्तमान दर कम है, तो इसका अर्थ है कि भले ही मजदूरी बढ़ रही हो किन्तु श्रमिकों की आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ रही है। आरबीआई उपभोक्ता भावना सर्वेक्षण भी एक उपयोगी गाइड है। यहां भी मुद्रास्फीति की उम्मीद कम होने से उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने में मदद मिलेगी। आम तौर पर उच्च आय वाले परिवारों में बचत का अनुपात बहुत अधिक होता है इसलिए उपभोक्ता खर्च में निरंतर वृद्धि के लिए सभी आय श्रेणियों में विकास के लाभ की आवश्यकता होती है। यह कुछ ऐसा मुद्दा है जिसे हमें देखने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था के बारे में आ रहे समाचार बेहतर हो रहे हैं और यह जरूरी है कि आर्थिक नीति यह सुनिश्चित करे कि विकास प्रक्रिया वास्तव में समावेशी हो।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

यह उपभोक्ता और निवेश खर्च में वृद्धि की निरंतरता पर निर्भर करता है कि मध्यम से दीर्घावधि में 7 या 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी रह सकती है या नहीं। भारत बड़े निवेश प्रवाह को आकर्षित कर रहा है तथा कई क्षेत्रों में बहुत सकारात्मक विकास दृष्टिकोण है। इसलिए विकास को बनाए रखने के लिए केवल मूल्य व नीतिगत स्थिरता और राजकोषीय विवेक की आवश्यकता होती है।

बीता सप्ताह

9 दिसंबर
- पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की संसद की सदस्यता खत्म कर दी गई।
- मिजोरम में कांग्रेस के लालदुहोमा नए मुख्यमंत्री बनेष।
- इसरो को मिली बड़ी उपलब्धि। आदित्य एल-1 ने खींची सूर्य की पहली फुल डिस्क तस्वीरें।
- रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन 2024 में फिर से राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ेंगे।

10दिसंबर
- बस्तर में भाजपा नेता कोमल माझी का नक्सलियों ने की हत्या।
- अदालतों में पाक्सो एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत अपराध के 2,43 लाख मामले लंबित पड़े हैं।
- तेलंगाना सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की शुरुआत की।
- राजधानी दिल्ली दुनिया के प्रदूषित शहरों में चौथे स्थान पर है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट-2022 में हुआ खुलासा।

11 दिसंबर
- आदिवासी नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री बने।
- छत्तीसगढ़ के जांजगीर में सड़क हादसे में बारात से लौट रहे बाराती व दूल्हा-दुल्हन सहित पांच लोगों की मौत हो गई।
- बसपा की सुप्रीमो नेत्री मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया।
- छत्तीसगढ़ रायपुर के एयरपोर्ट में एक यात्री से एक करोड़ से अधिक का सोना जब्त किया गया।

12 दिसंबर
- मोहन यादव मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री चुने गए गए।
- सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला बरकरार रखा।
- अर्जेंटीना में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जेवियर माइली ने संभाली सत्ता।
- ब्रिटिश शिक्षाविदों ने वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का आह्वान किया।

13 दिसंबर
- विधायक भजनलाल शर्मा पहली बार बने राजस्थान के नए मुख्यमंत्री।
- विश्वव्यापी जीवन गुणवत्ता रैंकिंग में वियना शीर्ष पर व बेंगलुरु से हैदराबाद आगे।
- छत्तीसगढ़ के नवापारा राजिम में सड़क हादसे में पिता सहित दो मासूम पुत्रियों की मौत हो गई।
- पोलैंड में संसद ने डोनाल्ड टस्क को नए प्रधानमंत्री के रूप में चुना।
- जापान में सबसे अधिक बुजुर्ग महिला 116 वर्षीय फुसा तात्सुमी का निधन हो गया।

14 दिसंबर
- आदिवासी नेता विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री पद एवं अरुण साव ने उपमुख्यमंत्री पर दी शपथ ली।
- संसद में सुरक्षा को सेंध लगाते हुए दर्शक दीर्घा से स्मोक बम लेकर कूदे दो युवक। सासंदों ने पकड़ किया पुलिस के हवाले।
- मध्यप्रदेश में मोहन यादव ने नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- संसद में 76 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दी गई।

15 दिसंबर
- 13 दिसंबर को संसद में सुरक्षा चूक को लेकर हंगामा किया गया। 14 सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित किए गए।
- छत्तीसगढ़ के प्रदेश कांग्रेस से महंत रामसुंदर दास महंत ने इस्तीफा दिया।
- भजनलाल शर्मा को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा शाही ईदगाह विवादित स्थल का सर्वे कराने का आदेश दिया।
- महाराष्ट्र की 26 वर्षीय स्मीतल ढाके एक डेटा वैज्ञानिक ब्रिटेन में 2023 का रेल स्टॉफ अवार्ड में न्यूकमर ऑफ दि इयर का पुरस्कार जीता।

कन्हैयालाल वैद्य की आज 49 वीं पुण्यतिथि

ऐसे पत्रकार जिन्होंने एकमात्र कुर्ता रात को धोया, सुबह उसे पहनकर ली राज्यसभा की शपथ

■ कैलाश सनोलिया

प्रखर पत्रकार, पूर्व राज्यसभा सदस्य, स्वाधीनता सैनानी स्व.कन्हैयालाल वैद्य की आज 16 दिसंबर को पुण्यतिथि है।

कर्मभूमि उज्जैन से जुड़े पत्रकार वैद्य के जीवन के त्याग-तपस्या की अजीब कहानी है। स्व वैद्य स्वतंत्र भारत की पहली राज्यसभा में पत्रकार के किरदार में पंडित जवाहरलाल नेहरू की पसंद पर 1952 में राज्यसभा पहुंचे। आपकी जीवन की ईमानदारी का इसके बड़ा कोई उदाहरण नहीं होगा शपथ लेने के लिए जब दिल्ली पहुंचे तो जिस कुर्ते को पहनकर गए थे उसे रात में धोकर सुबह शपथ ली। वर्ष 1958 में जब कार्यकाल समापन के बाद घर लौटे तो परिजनों को नईपेठ स्थित दो कमरों का किराए का मकान पुन- नसीब हुआ। इस घटना को दैनिक हिंदुस्तान के सहायक संपादक शिवकुमार ने एक बार लेख में इस प्रकार से रेखांकित किया - वैद्य की राज्यसभा सदस्यता पर अपार खुशी हुई। आदतन ऐसे मौके पर बधाई किसी को बधाई देने बहुत कम जाता हू। हर्ष के कारण पत्रकार साथी को बधाई देने का मोह रोक नहीं पाया। शपथ ग्रहण की पूर्व शाम को जानकारी मिली कि नईदिल्ली में वैद्यजी सांसद कृष्णकांत व्यास के निवास पर ठहरे थे। मैं वहा गया और वैधजी को पुकारा। तब उनकी आवाज स्नानागार से आई। जब मैं वहां पहुंचा तो वे अपना कुर्ता धो रहे थे। वे सहज भाव से बोले कल शपथ लेना है इसलिए कुर्ते को धो रहा हू। वे नि- संकोच बोले एक ही कुर्ता है। जब वैद्य का कार्यकाल राज्यसभा से 1958 में समाप्त हुआ तो पत्नी रूपकुंवर वैद्य एवं पुत्र क्रांति कुमार वैद्य को उज्जैन वहीं किराए का मकान नसीब हुआ जहां से शपथ लेने के लिए संसद गए थे। यहां तक वैद्य का निधन 16 दिसंबर 1974 को हुआ तब भी परिजनों को किराए के मकान की विरासत सौंप कर दुनिया से अलविदा हुए।

उज्जैन से कल्पवृक्ष : वैद्य ने 1928 में टाइम्स ऑफ इंडिया में कलम चलाना शुरू किया। बाद में देश के लगभग 70 से भी अधिक गुजराती, अंग्रेजी, उर्दू एवं हिंदी समाचारों में अपनी कलम के जौहर दिखाए। उज्जैन में पत्रिका कल्पवृक्ष से पत्रकारिता शुरू की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के साथ मिलकर मुंबई से 1936 में दैनिक अखंड भारत समाचार पत्र निकाला। इस समाचार पत्र में अंग्रेज़ों एवं देशी रियासतों के खिलाफ अलख जगाई। स्वयं ने समाचार पत्र का संपादन किया। लगभग दो वर्ष के बाद यह समाचार पत्र उस समय 50 हजार के नुकसान के साथ प्रकाशन बंद हुआ। प्रेस तक बेचना पड़ी। पंडित नेहरू की अध्यक्षता में वैद्य सबसे अधिक मतों से अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद के अध्यक्ष चुने गए। इसी प्रकार आचार्य नरेंद्र देव की अध्यक्षता में गुजरात में अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद के महामंत्री बने।

मध्यभारत श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रथम अध्यक्ष : मध्यभारत श्रमजीवी पत्रकार संघ के आप प्रथम प्रांतीय अध्यक्ष बने। विक्रम विश्व विद्यालय के संस्थापकों में आपका नाम शुमार है। बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय से डॉ सूर्यकांत शर्मा ने सेनानी कन्हैयालाल वैद्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पीएचडी की है।

एक दर्जन पुस्तकों के रचयिता : स्वाधीनता आंदोलन एवं पत्रकारिता के साथ-साथ वैद्य ने एक दर्जन से भी अधिक हिंदी एवं अंग्रेज़ी में पुस्तकें लिखीं। वर्ष 1934 में दो पुस्तकें झाबुआ राज्य में 'भयंकर कुशासन' एवं 'झाबुआ किधर' प्रकाशित हुई। इसी प्रकार वर्ष 35-36 में झाबुआ राज्य की प्रजा का आंदोलन और स्वार्थ साधकों की चालबाजियां, झाबुआ में काउन्सिल शासन, खुश रहो अहले वतन, स्ट्रगल ऑफ झाबुआ सब्जेक्ट चर्चित हुई। हम कहां हैं एवं ग्वालियर राजनैतिक षडयंत्र केस तथा ट्रुथ कांग्रेस वर्ष 1938 में प्रकाशित हुई। वर्ष 1940 से लेकर 45 की समय अवधि में झाबुआ गोलीकांड और बलात्कार की काली कहानी, रतलाम 28 मार्च के लाठी चार्ज और नज़रबंदी तथा राजनैतिक स्थिति का सच्चा चित्र व मध्यभारत की जनता से का प्रकाशन हुआ।

पत्रकारिता से राजा को गद्दी से उतारा : वैद्य ने अपने जीवन में रियासतों के खिलाफ खूब कलम चलाई। आपने झाबुआ रियासत के राजा उदयसिंह से जमकर लोहा लिया। राजा के जुर्म को लेकर वर्ष 1934 में अंग्रेजी में एक पुस्तक लिखी। इस पुस्तक पर गोलमेज कांन्फ्रेंस में बहस हुई। बाद में अंग्रेज़ी हुकूमत ने राजा को गद्दी से उतार दिया और रेसीडेंसी इंदौर में रहने का आदेश दिया। वैद्यजी के कारण बाद में राजा जीते जी झाबुआ अंचल में नहीं आ पाया।

सेनानी शब्द वैद्य की देन : मामा बालेश्वर दयाल के अनन्य साथी वैद्य को वर्ष 1970 में पं. श्यामाचरण शुक्ल के आतिथ्य एवं प्रो. महेश दत्त मिश्र की अध्यक्षता में सैनानियों के अधिवेशन में मप्र स्वाधीनता सैनानी संघ का अध्यक्ष चुना गया। राष्ट्रीय स्तर पर भी सैनानी संघ का उपाध्यक्ष का पद भी संभाला। देश में स्वाधीनता सेनानियों को किसी समय राजनीतिक पीड़ित शब्द से पुकारा जाता था। वैद्य ने इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी और सम्मानजनक स्वाधीनता सेनानी शब्द के संबोधन का दर्जा दिलाया

सनद छिनने पर थामी कलम : आदिवासी अंचल झाबुआ जिले के थांदला में जागीरदार स्व. दौलतराम वैद्य के यहां माता पार्वतीबाई की कोख से वैद्य का जन्म 1 फरवरी 1909 को हुआ। उन्होंने झाबुआ में वकालत शुरू की तब अंग्रेज़ों के जमाने में मात्र 22 वर्ष की उम्र में 1931 में उनकी वकालत की सनद छीन ली गई। झाबुआ राज्य के तत्कालीन राजा उदयसिंह से टकराने पर धारा 124 ए के तहत राजद्रोह का मुकदमा वैद्य जी पर लादकर 6 माह तक जेल में बंद किया गया। रियासतों से मुक्ति एवं जागीरदारों के खिलाफ जंग आपके जीवन का हिस्सा रहा। वर्ष 1936 में आप दाहोद गुजरात में अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद के महामंत्री चुने गए।

जयप्रकाश नारायण के साथ अखंड भारत : वैद्य ने नवभारत टाइम्स से जुड़कर पत्रकारिता में कदम रखे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री जयप्रकाश नारायण के साथ वर्ष 1936 में दैनिक अखंड भारत समाचार पत्र मुबंई से निकाला था। इस समाचार में प्रकाशित तीखी ख़बरों से लगभग एक दर्जन राजाओं को राजपाट खोना पड़ा। पत्रकारिता के जीवन में वीर अर्जुन, दैनिक हिंदुस्थान, जन्मभूमि, अमृत बाजार पत्रिका, नवज्योति, अमर उजाला जैसे समाचार पत्रों में कलम के जौहर दिखाए। आपने हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती, मराठी, उर्दू भाषाओं में लगभग 40 प्रमुख समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दी। 70 से भी अधिक समाचार पत्रों में बतौर स्वतंत्र पत्रकार कलम चलाई। अंग्रेज़ों के षडयंत्रों का भंडाफोड़ करना आपकी पत्रकारिता का एक मिशन था। स्वाधीनता आंदोलन तथा राजाओं के खिलाफ आवाज़ उठाने पर आपको महीनों तक जेल जाना पड़ा। यहां तक पूरे थांदला में आपके भाई बंधुओं को निर्वासन की यातनाओं से जूझना पड़ा। झाबुआ रियासत में परिवार के लोग बेगारी में कार्य करने के लिए विवश किए गए। जिसका परिणाम है कि वैद्य के परिजन स्व. बद्रीनारायण वैद्य, स्व. रामनारायण वैद्य, स्व. तुलसीराम वैद्य को स्वाधीनता सेनानी के सम्मान से प्रदेश सरकार ने नवाज़ा।

1952 में राज्यसभा में : देश की पहली राज्यसभा में एक पत्रकार के किरदार में पंडित जवाहरलाल नेहरू की अनुशंसा पर भेजा गया। वर्ष 1958 तक राज्यसभा में आपने जनसरोकार से संबधित कई मसलों पर आवाज़ बुलंद की। कई बार राज्यसभा में कांग्रेस के सामने धर्मसंकट खड़ा किया। आपकी कलम में जहां पैनी धार थी तो वाणी ओजस्वी। वर्ष 1958 में जब राज्यसभा से उज्जैन लौटे तो नई पेठ स्थित किराए का मकान पत्नी स्व. रूपकुंवर वैद्य, पुत्र क्रांति कुमार वैद्य को दोबारा मिला। उज्जैन के क्षत्रिय चौक पर कई सभाओं में आपकी दहाड़ के किस्से पुरानी पीढ़ी के लोग सुनाने से नहीं चूकते हैं।वैद्य क जीवन में तीन रूप देखने को मिलते हैं। आज़ादी आंदोलन काल में संघर्ष से एक जाने-माने स्वाधीनता सेनानी बने। साथ ही पत्रकार की भूमिका में वे जीवन पर्यन्त एक तपस्वी साधक बनकर उभरे। राजनीति में एक लड़ाकू राजनेता के रूप में देश में अमिट छाप छोड़ी। रियासतों से निर्वासन के कारण रेल यात्राओं के दौरान प्लेटफार्म पर कदम रखना भी आपके लिए प्रतिबंधित था। सादा जीवन उच्च विचार के धनी वैद्य का आजीवन खादी से रिश्ता रहा। धोती-कुर्ता आपके परिधान थे।

पूरा जीवन आपने उज्जैन में किराए के मकान में नई पेठ स्थित दूसरी मंजिल पर दो कमरों में गुजारा। एक पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं देश का महान पत्रकार जब इस दुनिया से 16 दिसंबर 1974 को अलविदा हुआ तो भी किराए के मकान की ही विरासत परिजनों को सौंपी। लेकिन कई दुर्लभ समाचारों पत्रों की प्रतियों का विपुल भंडार परिजनों के लिए धरोहर बनी। इस धरोहर से कई विद्यार्थियों ने शोध किए। पत्रकारों ने पीएचडी भी की।

सरकार ने घोषित किया पुरस्कार : मप्र सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की पहल पर 2008 में जनसंपर्क विभाग ने वैद्य की स्मृति में उज्जैन संभागीय पत्रकारिता पुरस्कार का निर्णय लिया गया। इसके तहत प्रतिवर्ष एक पत्रकार को एक लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाता है। इस आलेख के लेखक को यह पुरस्कार मिल चुका है। लेखक का मानना है कि वैद्य जी जैसे पत्रकार के नाम का पुरस्कार पाना सबसे बड़ा सम्मान है।

राजनीति में जात-बिरादरी

■ प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव जीतने के बाद मंत्री-परिषद को जिस तरह से गोटियां बिठाई जा रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा प्रदेश समेत राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार को जातीय महत्व का संदेश दे रही है। सबसे पहला संदेश राजस्थान की कद्दावर नेत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को है कि जब 163 सीटों की जीत दिलाने वाले शिवराज सिंह चौहान को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया, तो तुम किस खेत की मूली हो?

मध्यप्रदेश में विधायक दल की बैठक में डॉ. मोहन यादव को बिना किसी विरोध के नेता चुन लिया गया। स्वयं शिवराज ने उनके नाम का प्रस्ताव किया और सांसदी छोड़कर मुख्यमंत्री बनने की कतार में बैठे सभी को समर्थन की विनम्र वाणी उच्चारित करनी पड़ी। यादव के मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के साथ ही यह संदेश उत्तरप्रदेश के अखिलेश यादव और बिहार के तेजस्वी और तेजप्रताप यादव को चला गया कि यादवी विस्तार का यह शंखनाद भविष्य में इन दोनों प्रांतों में गूंजने वाला है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से यूं ही विभूषित नहीं किया गया है। भाजपा के पास मौजूदा वक्त में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार में कोई प्रमुख यादव नेता नहीं है। इस नाम के सहारे इन राज्यों में जो बंसी बजेगी, उसकी धुन से कांग्रेस, सपा, राजद और जनता दल में जो यादव बेचैन हैं, वे भाजपा के प्रति लालायित होंगे। अखिलेश और तेजस्वी के यादवी वर्चस्व को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में यह संकट उठाना पड़ सकता है। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना अचरज में जरूर डालता है, लेकिन करीब एक साल पहले जब शिवराज सत्ता विरोधी रुझान से जूझ रहे थे, तब भी मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में मोहन यादव का नाम उछला था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने बदला नहीं, क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम झेलने पड़ सकते थे। भाजपा यदि प्रदेश में हारती तो कहा जाता कि यह हार मुख्यमंत्री बदले जाने के कारण हुई है। यह आरोप मोहन को तो झेलना ही पड़ता, केंद्रीय नेतृत्व भी इस दोष के दायरे में आता।

भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी। वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो इन राज्यों में भी मोहन यादव जैसे साधारण यादव कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है।

बहरहाल मोदी और शाह की जोड़ी ने मध्यप्रदेश में स्थिति सुधारने के लिहाज से बार-बार यात्राएं करके कार्यकर्ताओं को तो सक्रिय किया ही, शिवराज को भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की खुली छूट दे दी। नतीजतन शिवराज ने प्रदेश को कर्ज में डुबोने की परवाह किए बिना, कई स्त्रोतों से कर्ज लिया और उसे बांटकर सत्ता हासिल करने की राह आसान कर ली। इसमें सबसे कारगर योजना 'लाडली बहना' रही जिनके भरोसे भाजपा की नैया पार लगी। चूंकि छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बना दिया था, इसलिए मध्यप्रदेश में फिर से ओबीसी कार्ड खेलना जरूरी था। शिवराज की जाति किरार-धाकड़ के बाद प्रदेश में दूसरा बड़ा समुदाय लोधी है। इस समुदाय की उमा भारती मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। प्रहलाद पटेल भी इसी समुदाय से आते हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्री और सांसदी से इस्तीफा दिलाकर विधानसभा चुनाव लड़ाया गया। वे जीत भी गए। अतएव शिवराज के बाद ओबीसी के रूप में दूसरी बड़ी दावेदारी उन्हीं की थी, किंतु इस चेहरे की फेंक लोकसभा चुनाव की दृष्टि से उपयुक्त साबित नहीं हो रही थी, लिहाजा नाम परिवर्तन जरूरी हो गया था।

दरअसल केंद्रीय नेतृत्व उत्तरप्रदेश और बिहार में जातीय लाभ के साथ ऐसा चेहरा देना चाहता था, जो ओबीसी आरक्षण की काट तो लगे ही, कांग्रेस और विपक्षी दलों के जातीय जनगणना के मुद्दे को भी भोथरा साबित कर दे। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी खुद के लिए पिछड़ी जाति का कार्ड अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से खेलने की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहे। दरअसल भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी। वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो इन राज्यों में भी मोहन यादव जैसे साधारण यादव कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है। भाजपा का यह कार्ड सफल होता है तो नीतीश कुमार की कुर्सी को चुनौती पेश आ सकती है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नरेंद्र मोदी ने संघ को भी साधने का काम किया है। बीच-बीच में ऐसी अफवाहें उड़ती रहती हैं कि संघ और भाजपा में दूरियां बढ़ रही हैं। मोहन छात्र रहते हुए 1984 में 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' से जुड़े और 1993 में संघ के रास्ते भाजपा में आ गए। वर्तमान में भी प्रदेश में भाजपा के किसी प्रमुख नेता का मोहन यादव पर बरदहस्त नहीं है। संघ में वे सुरेश सोनी के निकट होने के साथ संघ की नीतियों को आगे बढ़ाने वाले कर्मठ नेता माने जाते हैं, इसीलिए मोदी और शाह की पसंद हैं।

मोहन यादव को महत्व देकर भाजपा ने उत्तरप्रदेश की पिछड़े वर्ग की 54 प्रतिशत आबादी को साधने की कोशिश की है। इसमें 20 प्रतिशत यादव समाज के मतदाता हैं। उत्तरप्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं और प्रधानमंत्री बनने का मार्ग यहीं से खुलता है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। यहां पिछड़े वर्ग की कुल आबादी 63 प्रतिशत है, जिसमें 14 प्रतिशत यादव बताए जाते हैं। जाहिर है, यादव मतदाताओं को साधने की यह कवायद आम चुनाव में भाजपा को लाभदायी साबित हो सकती है।

जिन जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है, वे भी संघ के करीबी होने के साथ-साथ अनुसूचित जाति से आते हैं। इस चेहरे के साथ भी जातीय समुदाय के वोट लुभाने की पहल भाजपा ने की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को बनाया गया है, जो प्रदेश में बड़ा ब्राह्मण चेहरा हैं। शिवराज मंत्रिमंडल में मंत्री होने के साथ विंध्य क्षेत्र के हर चुनाव में प्रमुख चेहरा रहने वाले शुक्ला जीत की गारंटी भी रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री की दौड़ में तो पिछड़ गए, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठ गए। उन्हें नरेंद्र मोदी के करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में गिना जाता है इसलिए चुनाव लड़ने वाले अन्य सांसदों को उन्होंने पीछे छोड़ दिया। तोमर के जरिए भाजपा ने क्षेत्रीय कार्ड भी खेला है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

पालीवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर सबनानी से की मुलाकात

सिरोंज, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ जनपद सदस्य और जिला सह संयोजक भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ विदिशा पंडित प्रशांत पालीवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी से मुलाकात कर जीत के लिए शुभकामनाएं दी।

भारतीय किसान संघ महासदस्यता अभियान को लेकर हुई बैठक

सिरोंज, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ द्वारा सिरोंज में महा सदस्यता अभियान को लेकर बैठक हुई। बैठक में सिरोंज के सभी कार्यकर्ता और जिले से आए प्रांत जिला विदिशा सदस्यता प्रभारी राजकुमार बघेल, अशोक शर्मा जिला विदिशा उपाध्यक्ष, सिरोंज तहसील प्रभारी विशन सिंह बघेल, बदन सिंह रघुवंशी, गजेंद्र यादव, सिरोंज तहसील अध्यक्ष अमृत सिंह, तहसील मंत्री सुनील बघेल, तहसील उपाध्यक्ष अरविंद यादव आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्राः वन परिसर में आयोजित होगा कार्यक्रम

रायसेन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा मंत्रालय भोपाल से वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की तैयारियों, स्वरूप और गतिविधियों पर प्रदेश के जिलों में मौजूद जन प्रतिनिधियों, कलेक्टर्स से चर्चा कर निर्देश दिए। रायसेन में कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में उदयपुरा विधायक श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा सहित नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के उपरांत कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के संबंध में जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते हुए बताया कि 16 दिसम्बर को दोपहर 03 बजे से रायसेन स्थित वन परिसर में जिले स्तर पर यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें उज्जैन में आयोजित प्रदेश स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी दिखाया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में जिले को प्राप्त आईईसी वैन को हरी झण्डी दिखकर निर्धारित रूट चार्ट अनुसार जिले के ग्रामीण और नगरीय निकाय क्षेत्रों हेतु रवाना किया जाएगा।

कलेक्टर ने धर्मगुरूओं के साथ की बैठक

लाउडस्पीकर और डीजे के ध्वनि सीमा स्तर को लेकर शासन के निर्देशों से कराया अवगत

रायसेन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले में धार्मिक एवं अन्य स्थलों पर लाउडस्पीकर, डीजे सहित ध्वनि विस्तार यंत्रों के उपयोग और ध्वनि सीमा स्तर के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत करान कलेक्टर अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी वर्गो के धर्मगुरूओं के साथ बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर दुबे ने धर्मगुरूओं के साथ डीजे, लाउडस्पीकर सहित अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए कहा कि इनका अत्याधिक उपयोग अनेक बीमारियों का कारण बन रहा है। निर्धारित डेसीमल से अधिक ध्वनि विस्तार शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गो तथा मरीजों के लिए यह बेहद घातक होता है। कलेक्टर दुबे ने ध्वनि प्रदूषण एक बड़ी समस्या है जो कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों का कारण बन रहा है। ध्वनि प्रदूषण हृद्य एवं अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए बेहद खतरनाक होता है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई में भी व्यवधान करता है। जिसके दृष्टिगत प्रदेश में धार्मिक स्थल एवं अन्य स्थानों पर मप्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुकम में राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि किसी भी प्रकार के धार्मिक स्थलों, धार्मिक यात्राओं, जुलूसों अथवा अन्य स्थलों पर निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे) आदि का उपयोग किया जा सकेगा। ध्वनि प्रदूषण तथा कोलाहल नियंत्रण संबंधी अधिनियम, नियमों का संवाद और समन्वय के साथ प्रभावी पालन किया जाना है और इसमें धर्मगुरूओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक में सभी धर्मगुरूओं को मप्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम आदि के बारे में बिन्दुवार विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्योगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है। जिसके तहत औद्योगिक क्षेत्र में दिन में 75 डेसिबल और रात्रि में 70 डेसिबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में दिन के समय 65 डेसिबल और रात्रि के समय 55 डेसिबल, रिहायशी क्षेत्र में दिन के समय 55 डेसिबल और रात्रि के समय 45 डेसिबल तथा शांत (साइलेंस) क्षेत्र में दिन के समय 50 डेसिबल और रात्रि के समय 40 डेसिबल ध्वनि तीव्रता निर्धारित है। मोबाइल पर डेसिबल मीटर ऐप डाउनलोड कर कोई भी ध्वनि की तीव्रता को जाँच सकता है। बैठक में सभी धर्मगुरूओं से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। सभी धर्मगुरूओं ने लाउडस्पीकर की संख्या सीमित रखते हुए निर्धारित ध्वनि सीमा के पालन की सहमति व्यक्त की है। बैठक में अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षककमलेश कुमार सहित जिले भर से आए धर्मगुरू शामिल हुए।

मुख्यमंत्री के आदेश को लेकर थाने में हुई बैठक

सिरोंज, देशबन्धु। थाना प्रागंण में म.प्र. शासन द्वारा जारी नवीन दिशा निर्देशों को अवगत कराने अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस उमेश तिवारी, थाना प्रभारी संदीप कुमार पवार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामप्रकाश साहू के नेतृत्व में शहर के गणमान्य नागरिक व विभिन्न संप्रदायों के प्रमुख तथा डी.जे. संचालक, गार्डन संचालक, मांस विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें अनुविभागीय अधिकार द्वारा म.प्र. शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें ध्वनि प्रदूषण (विनिमय एवं नियंत्रण) नियम 2000 यथा संशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार शेडयूल में जैसे औधोगिक वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अलग - अलग ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है। मांस, मछली विक्रेताओं को म.प्र. शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के संबंध में अवगत कराया गया है।

अग्रवाल समाज का परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह महायज्ञ कल

छतरपुर, देशबन्धु। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में मिलाप गार्डन में 17 दिसंबर को विवाह पंचमी के पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम सुबह से शुरू होकर देर शाम तक चलेगा। कार्यक्रम में छतरपुर जिले के अलावा कई अन्य जिलों और उत्तर प्रदेश के समाज बंधु सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडेटा पर केंद्रित स्मारिका परिचय पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा। आयोजन के लिए सुनील अग्रवाल बिजावर वालों के संयोजन में एक टीम को दायित्व सौंपे गए हैं। इसके लिए कार्यालय व्यवस्था, स्वागत व्यवस्था, भोजन व्यवस्था समिति, मंच संचालन व्यवस्था, विवाह परामर्श समिति, उपहार वितरण समिति और मंडप एवं आवास व्यवस्था समिति गठित की गई है।

कॉलेज चलो अभियानः सीएम राइज स्कूल में दी प्रवेश की जानकारी

सिरोंज, देशबन्धु। नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय की कॉलेज चलो अभियान की टीम ने आज सी एम राइज स्कूल में पहुंचकर वर्ष 2024ट्ठ 25 में कॉलेज में प्रवेश से संबंधित जानकारी को विस्तार से बताया। कॉलेज चलो अभियान के संयोजक डॉक्टर आर के वाखला ने ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया को समझाते हुए विद्यार्थियों को बताया कि कॉलेज में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को कॉलेज नहीं जाना है। विभिन्न चरणों में समय पर ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन कराना है। प्रवेश सूची में नाम आने पर ऑनलाइन फीस जमा कर देना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए संबोधित किया कि छात्रवृत्ति से संबंधित केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर एवं इंस्पायर योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। राज्य सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के अतिरिक्त गांव की बेटी,प्रतिभा कारण, विक्रमादित्य योजना, आवास सहायता योजना एनएसएस, एनसीसी, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, स्पोर्ट्स आदि के बारे में जानकारी दी गई। सी एम राइज स्कूल सिरोंज के प्राचार्य महेश ताम्रकार एवं गणित के व्याख्याता संजीव माथुर ने सहयोग प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को प्रथम चरण में ही प्रवेश हेतु पंजीयन करने के लिए प्रेरित किया।

बाजार में पहुंचा प्रशासनिक अमला, मांस, मछली और अंडे का कारोबार करने वालों को नियमों का पालन करने दी हिदायत

सांची,देशबन्धु। शासन द्वारा जारी आदेश का पालन कराने खाद्य विभाग एवं नगर परिषद प्रशासन का अमला बाजार में पहुंचा और खुले में मांस, मछली, अंडे का व्यवसाय करने वालों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

नगर में खुले में लगने वाली मांस, मछली, अंडे की दुकानों पर जांच पड़ताल करने जिला खाद्य विभाग के अधिकारी कुदसिया खान एवं कल्पना अर्शिया तथा नगर परिषद के संपत्ति अधिकारी रमेश शर्मा, राजीव श्रीवास्तव का संयुक्त दल और व्यवसाईयों के लाइसेंस की जांच की और बिना लाइसेंस की दुकानों को बंद कराया एवं खुले में मांस, मछली, अंडे बेचने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी साथ ही नगर परिषद से लाइसेंस बनवाने एवं बंद स्थानों पर बेचने तथा शासन द्वारा जारी आदेश का पालन करने तथा दुकानों के आसपास साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि लाइसेंस लेने के बाद भी कोई दुकानदार शर्तों के उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। आज दुकानदारों से लाइसेंस की जांच पड़ताल की गई तथा लाइसेंस बनवाने की सलाह दी गई एवं खुले में मांस मछली अंडे बेचने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया।

गौ सेवकों ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग

मुरैना, देशबन्धु। जिले में पुलिस द्वारा जमकर अवैध वसूली की जा रही है और आए दिन इस प्रकार के सवाल पुलिस पर उठ रहे हैं लेकिन बावजूद इसके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। ताजा मामला बुधवार की रात का है, जहां गोवंश के तीन कंटेनर पकड़े गए लेकिन पुलिस द्वारा एक पर एफआईआर दर्ज की गई और वह भी जो ट्रक पकड़ा गया। उसका नंबर एफआईआर मैं दर्ज नहीं किया गया। इस मामले को लेकर गौसेवकों ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की अन्यथा आंदोलन किए जाने की धमकी दी।गौ सेवक रुद्र प्रताप सिंह एवं हेमू पंडित के साथ कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर बताया कि 14 दिसंबर सिविल लाइन थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई थी, किंतु संबंधित थाना ने एफआईआर में पकड़े गए ट्रक के स्थान पर कोई अन्य ट्रक का आर टी ओ नंबर दर्ज कर कारवाही को आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि वीडियो एवं फोटो में प्राप्त मृत गोवंश जिस ट्रक में प्राप्त हुआ है, उसका एफआईआर में कोई हवाला नहीं है। हमारे द्वारा जब यह बात थाना इंचार्ज को बोली गई तो उनके द्वारा व्हाइटनर लगाकर लिखित एफआईआर में ट्रक का नंबर अलग से पैन से लिख दिया, जो कि बिलकुल भी उचित नहीं है। गौ सेवकों ने कहा है कि इसमें संबंधित थाना प्रभारी पर भी तत्काल कारवाही हो एवं ये एक बहुत बड़ा गौ तस्करी का रैकेट है जो हमारे जिले में काफी समय से चल रहा है। अभी तो इसकी इसकी केवल एक कड़ी पकड़ आई है, जो मौके पर प्राप्त वीडियो में ट्रक पाया गया है, जिस कंटेनर में मृत गोवंश मिला है, उसका नंबर दर्ज कर पुनः एफआईआर में दर्ज करते हुए उस पर राजसात की कार्रवाई की जाए, अन्यथा सभी गौ सेवक एवं हिंदू संगठन मिलकर धरना प्रदर्शन करेंगे, साथ ही इस मांग को लेकर भोपाल मुख्यमंत्री से इसकी प्रत्यक्ष मांग करेंगे।

भैंस चराने की बात पर लाठी से मारपीट करने वाले 3 आरोपियों को सजा

मुरैना, देशबन्धु। भैंस चराने के विवाद पर लाठियां से मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को जौरा न्यायालय द्वारा एक-एक वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तहसील जौरा के न्यायालय द्वारा आरोपीगण नेत्रपाल उर्फ नेतपाल पुत्र सूरजपाल सिंह, सोनू उर्फ सोनपाल पुत्र नेत्रपाल जादौन, भुल्लन जादौन पुत्र नेत्रपाल जादौन, निवासीगण ग्राम बुरावली थाना जौरा को भारतीय दण्ड विधान की धारा 324, 325, 34 में दोषी पाते हुये 01-01 वर्ष के सश्रम कारावास व 1,500-1,500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि फरियादी ओमपाल दिनांक 27 अगस्त 2016 को दोपहर ढाई बजे अपनी भैसों को खजूर वाले खेत में से घर ला रहा था, उसके पिता पास घास काट रहे थे, तभी नेत्रपाल लाठी, सोनू कुल्हाड़ी, भुल्लन लाठी लेकर आये और गाली देते हुये बोले कि हमारे खेत में भैंसे क्यों चराई। फरियादी ओमपाल ने कहा कि उसकी भैंसे बंधी थी।

पुलिस का जीवाजी गंज में चेकिंग अभियान, की चालानी कार्रवाई

मुरैना, देशबन्धु। शहर के जीवाजी गंज इलाके में आए दिन झगड़ा फसाद एवं हवाई फायरिंग की घटनाओं को देखते हुए पुलिस द्वारा शुक्रवार से इस क्षेत्र में पुलिस गस्त बढ़ा दिया गया है और संदिग्ध युवकों पर नजर रखी जा रही है। शुक्रवार को पुलिस द्वारा जीवाजीगंज क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों के आसपास सघन चेकिंग अभियान चलाया गया तो वहीं यातायात पुलिस द्वारा नियमों का पालन नहीं करने पर कार्यवाही की गई।

शहर पुलिस द्वारा जीवाजी गंज में छात्रों में बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अब पुलिस की कई मोबाइल गाडयि़ां तैनात कर दी गई है तथा संदिग्ध युवकों पर नजर रखी जा रही है एवं उनके पहचान पत्र देखे जा रहे हैं। पुलिस की मौजूदगी के बाद शुक्रवार को क्षेत्र में माहौल शांत रहा। इधर यातायात पुलिस प्रभारी रोहित यादव द्वारा चेकिंग अभियान चलाते हुए बाइक चलाने वाले नाबालिकों के चालान किए गए तथा सभी के कागज चेक किए गए। जीवागंज में चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस ने 11 बाइक चालकों के चालान किए हैं, वहीं इसके अलावा शहर में 8 एंबुलेंस के भी चालान किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि जीवाजी गंज, मिल एरिया रोड, गर्ल्स कॉलेज रोड, वेयरहाउस रोड आदि पर काफी अधिक संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित है, जिन पर हजारों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन अध्ययन के लिए आते हैं। इन छात्रों में तमाम ऐसे छात्र भी आते हैं जो पढ़ाई को छोडक़र गलत संगत में पडक़र वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इस कारण उक्त क्षेत्र में माहौल काफी तनाव पूर्ण हो चला है, जिससे शांत प्रिय लोगों का जीना भी दुश्वार हो रहा है। शुक्रवार से पुलिस गस्त बढऩे के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस अधिकारियों को चाहिए कि वह चेकिंग के दौरान कोचिंग संस्थानों के पास घूमने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करें और पुलिस का भ्रमण नियमित रूप से चले, जिससे पढऩे वाले बच्चे सुचारू रूप से अध्यापन कार्य कर सकें।

सुभाष नगर में दिन दहाड़े घर पर दर्जनभर बदमाशों ने की फायरिंग

चुनाव के बाद शहर व जिले में बढ़ने लगा अपराधों का ग्राफ

मुरैना, देशबन्धु। शहर एवं जिलेभर में चुनाव के बाद अपराधों का ग्राफ एक बार फिर बढऩे लगा है और आए दिन मारपीट फायरिंग की घटनाएं घटित हो रही है। शुक्रवार की दोपहर स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के सुभाष नगर इलाके में बाइक एवं स्कूटी पर आए एक दर्जन बदमाशों ने एक मकान पर फायरिंग करते हुए जमकर गाली-गलौज किया, जिससे मोहल्ले में दहशत फैल गई। घटना के सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

बताया जाता है कि सिकरवार गली सुभाष नगर में रहने वाले विवेक सिकरवार के मकान पर शुक्रवार की दोपहर 12ः00 के लगभग बाइक एवं स्कूटी पर सवार होकर एक दर्जन बदमाश आए और गाली-गलौज करने लगे। आरोपीगण कट्टा एवं हॉकी लेकर आए हुए थे और काफी देर तक हंगामा कर कट्टा से फायर किया तथा दरवाजे में लात मारी। उक्त घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उसके वीडियो वायरल होने लगे। इस संबंध में स्टेशन रोड थाना प्रभारी श्रीमती राजकुमारी परमार ने बताया कि फरियादी विवेक द्वारा दो-तीन महीने पुराना कोई विवाद बताया गया है, जिसके अनुसार विवेक ने आरोपियों की अवैध शराब को पकड़वाया था तथा हाल ही में कोई भी विवाद नहीं हुआ था, अचानक आरोपियों ने हमला किया। पुलिस द्वारा विवेक की रिपोर्ट पर से आरोपियों के विरुद्ध गाली-गलौज एवं फायरिंग का मामला दर्ज किया गया है। फरियादी द्वारा जिन आरोपियों के नाम बताए गए हैं, उनमें राज पटेल गुर्जर, मोनू गुर्जर, संजू गुर्जर एवं 8-10 अन्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 3 दिसंबर को चुनावी मतगणना के बाद से जिले भर में अपराधों में बढ़ोतरी हुई है और चोरी, लूट, मारपीट एवं फायरिंग की घटनाएं तेजी से बड़ी है। अचानक से अपराध बढऩे एवं पुलिस द्वारा सक्रियता नहीं दिखाई जाने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

केरिया मंदिर में हुई राधा-कृष्ण मूर्ति एवं शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा

सारनी, देशबन्धु। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सीताकामथ के केरिया ग्राम के मंदिर में शुक्रवार सुबह 10 बजे भगवान राधा कृष्ण एवं शिवलिंग की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा बाहर से आए विद्वानों द्वारा की गई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर आमला स के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे,मध्यप्रदेश श्रमजीव पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष रजीत सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे। भगवान प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या से ही मंदिर में भजन कीर्तन का दौर चालू था जो कि शुक्रवार सुबह 10 बजे तक भजन कीर्तन चलते रहा उसके पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन भी समिति द्वारा आयोजित किया गया जो की देर शाम तक चलते रहा कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जनपद सदस्य शंकर राठौर,यादव समाज के चारगांव निवासी जगन्नाथ यादव,महेश यादव,दिनेश सलाम पन्नालाल यादव,कमलेश यादव,धीरज यादव, प्रेमलाल यादव सहित केरिया गांव के समस्त लोग ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया वह एक सफल कार्यक्रम का आयोजन आयोजित किया गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगी विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम

हरदा, देशबन्धु। जनकल्याण की प्रमुख योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिये 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। इस यात्रा के तहत 26 जनवरी 2024 तक जिले के विभिन्न ग्रामों में प्रचार वाहन भ्रमण करेगा तथा गांव-गांव में कार्यक्रम आयोजित कर शासकीय योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा तथा नये हितग्राहियों के आवेदन भी लिये जायेंगे। इस यात्रा के लिये आये प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित होगा। कार्यक्रम में कलेक्टर ऋषि गर्ग, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा संकल्प यात्रा के लिये भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी ऋचा शर्मा, संचालक श्रम मंत्रालय नई दिल्ली भी मौजूद रहेंगी। जिले में संकल्प यात्रा के लिये आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित सिसोनिया को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है। कलेक्टर ऋषि गर्ग ने सिसोनिया को निर्देश दिये है कि इस यात्रा के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करायें। कलेक्टर गर्ग ने विकसित भारत संकल्प यात्रा से संबंधित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण पंचायतों में ग्रामीणों को दिखाने के लिये आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश भी सिसोनिया को दिये। कलेक्टर गर्ग ने जिला पंचायत के सीईओ सिसोनिया को निर्देश दिये है कि शासन की योजनाओं की जानकारी देने वाली पुस्तिका तैयार कराएं और 16 दिसम्बर को आयोजित होने वाले संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में पुस्तिका का विमोचन भी कराएं।

खनन स्थल पर सूचना बोर्ड लगाया जाए: एडीएम

दुर्घटनाओं को रोकने प्रशासन सख्त, बोरवेल खनन से पहले देनी होगी सूचना

बैतूल, देशबन्धु। अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों, बोरवेल, ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोके जाने के संबंध में अपर कलेक्टर जयप्रकाश सैय्याम की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यपालन यंत्री आरएल सैकवार, पीएचई विभाग के सभी एसडीओ एवं जिले में बोरवेल करने वाले सभी डीलर उपस्थित रहे। बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा रीट क्रमांक 36/2009 11.02.2010 के माध्यम से अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों/ बोरवेल/ ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोके जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए।

किसी भी खनन से 15 दिन पूर्व जिला प्रशासन, पंचायत, पीएचई, नगरपालिका को लिखित में सूचना दी जाए। सभी ड्रिलिंग एजेंसी को जिले में खनन कार्य करने हेतु जिला प्रशासन में पंजीयन करना अनिवार्य होगा। खनन स्थल पर सूचना बोर्ड लगाया जाए, जिस पर ड्रिलिंग करने वाली एजेंसी का पूरा पता, खनन का समय एवं नलकूप स्वामी का नाम दर्ज हो। खनन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था हेतु तार फेंस या कोई अन्य बैरियर की व्यवस्था करनी होगी। नलकूप के चारों ओर कांक्रीट ब्लॉक सुरक्षा हेतु निर्मित करना होगा। नलकूप की केसिंग को स्टील प्लेट से वेल्ड कर कैप करना होगा। पंप को

रिपेयर के दौरान नलकूप को खुला न छोड़ा जाए। एडीएम सैय्याम ने कहा कि नलकूप खनन के उपरांत चारों ओर बने गड्ढों या नालियों को पूर्णत: भरना होगा। अनुपयोगी नलकूप को मिट्टी, रेत, बोल्डर, ड्रिलिंग कटिंग से ऊपर तक भरना होगा। नलकूप खनन कार्य पूर्ण होने के उपरांत आस-पास की भूमि को रिस्टोर करना होगा। किसी भी स्टेज पर नलकूप अनुपयोगी होने की स्थिति में नलकूप को मिट्टी से ऊपर तक भरने का का प्रमाण पत्र संबंधित एजेंसी/नलकूप स्वामी द्वारा प्रस्तुत करना होगा। रैंडम आधार पर अनुपयोगी नलकूपों का निरीक्षण पीएचई विभाग किया जाएगा। बैठक के दौरान निर्देशों का कड़ाई से पालन किए जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

साईकल रैली के साथ एड्स जागरूकता पखवाड़े का समापन

चचोली, देशबन्धु। शुक्रवार को विकास खण्ड चिचोली के ग्राम फोंगरया में सीबीएमओ डॉ राजेश अतुलकर के निर्देशन में एमटीएस पंकज डोंगरे द्वारा आशा कार्यकर्ता सुधिया साकरे के सहयोग से ग्रामवासियों को एड्स रोग के कारण और बचाव के तरीके बताये एवं ग्राम के बच्चों एवं आमजन द्वारा एड्स बचाव में सहभागिता के संकल्प को लेकर जनजागरूकता रैली निकाली गई। डोंगरे द्वारा बताया गया स्वास्थ्य विभाग 1 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक एड्स रोग पर जागरूकता पखवाड़ा मना रहा है जिसमे एड्स जैसी खतरनाक रोग पर फैली भ्रांतियां दूर कर बचाव के उपाय आमजन तक प्रसारित कर रही है इस जनजागरूकता कार्य में विभाग के साथ साथ लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना योर्स सोशल सोसायटी, टीआई प्रोजेक्ट और अन्य विभाग भी सहयोग कर रहा है इस बार की थीम लेट्स कम्युनिटी लीड है जिसमे जनसमुदाय की सहभागिता रखी गयी है बच्चो द्वारा साईकल पर रेड रिबन सिम्बोल और ग्रामीणों द्वारा हाथ मे रेड रिबन सिम्बाल रखकर रैलीबद्ध होकर प्रचार प्रसार गतिविधि की गई।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुलताई, देशबन्धु। शासकीय महाविद्यालय मुलताई में एड्स जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को महाविद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता का निरीक्षण करते हुए जन भागीदारी अध्यक्ष जयेश संघवी द्वारा छात्र छात्राओं की प्रतिभाओं को सराहा गया एवं आगामी आने वाली प्रतियोगिताओं में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर वर्षा खुराना ने भी जनजागरूकता के लिए कार्यक्रमों को कराने के लिए भी छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर एल एल राउत डॉक्टर सविता बघेल ने बताया कि स्वयं सेवकों के द्वारा आस पास के गाँव में जाकर एड्स के प्रति जागरूक करने को प्रोत्साहित किया इस कार्यक्रम में प्रोफ़ेसर तारा बारसकर अभिनीत सरसौदे डॉक्टर विनय राठौर प्रोफ़ेसर ममता राजपूत गीता साहू वर्षा ठाकरे प्रोफ़ेसर कल्पना बिसंदरे एवं समस्त स्टाफ़ उपस्थित रहा।

पार्षद ने बल्लाचाल क्षेत्र में पहुंचकर निर्माण कार्यों की जानकारी ली

आमला, देशबन्धु। वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद खुशबू विजय अतुलकर ने वार्ड के बल्लाचाल क्षेत्र और रह वासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। क्षेत्रवासियों द्वारा बिजली पोल पाइपलाइन एवं नाली निर्माण और हाई मास्क लगवाने और रेलवे विभाग द्वारा बनाए गए अंडर ब्रिज में लाइट की व्यवस्था करने के लिए पार्षद को कहा गया जिस पर पार्षद द्वारा क्षेत्र वासियों को अध्यक्ष से चर्चा कर एजेंडा में जुड़वाने का आश्वासन दिया गया उसके बाद पार्षद ने निर्माणाधीन पुलिया का निरीक्षण किया और ठेकेदार से फोन पर चर्चा की। जिस पर ठेकेदार द्वारा दस पंद्रह दिन में पुलिया का कार्य पूर्ण करने को कहा गया। पार्षद ने बताया कि इस पुलिया के निर्माण नहीं होने के कारण बढ़ाई चाल के रहवासियों को बहुत अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वही किसान गन्ने की फसल काटकर नहीं ले जा पा रहे हैं और उन्हें नुकसान पहुंच रहा है। बढ़ाई चाल क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई थ्री व्हीलर फोर व्हीलर गाड़ियां भी नहीं जा पा रही है पार्षद ने कहा कि अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी से चर्चा कर अति शीघ्र पुलिया का निर्माण कराया जाएगा

नपा सभा कक्ष में हुई प्रशासनिक अधिकारियों और धर्म गुरुओं की बैठक

धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर को लेकर मुख्यमंत्री ने दिए है आदेश

मुलताई, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर को लेकर आदेश जारी किए गए थे। जिसके परिपेक्ष में नगर पालिका सभा कक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा धर्म गुरुओं की बैठक बुलाई गई।जिसमे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटेरया ने बताया कि राज्य शासन के ग्रह विभाग द्वारा धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर के बारे में आदेश जारी किए गए है, जिससे सभी धर्मो के धर्म गुरुओं को बुला कर नियमो से अवगत कराया गया।वही शासन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए डेसिबल निर्धारित किया गया है,जिसका उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही की

जाएगी।जिसके लिए जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल का भी गठन किया गया है।अगर नियमो का उल्लंघन होता है तो निश्चित ही संबंधित पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।नपा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटेरया, तहसीलदार अनामिका सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एसपी सिंह, थाना प्रभारी प्रज्ञा शर्मा, नपा अधिकारी कर्मचारी सहित हिन्दू मुस्लिम समाज के धर्म गुरुओं के अलावा विहिप, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,बजरंग दल के प्रभारी मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम का नपा में आज होगा लाइव प्रसारण

सारनी, देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ शनिवार 16 दिसंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा किया जाएगा।संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. भोपाल द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार उक्त कार्यक्रम का 16 दिसंबर को उज्जैन से लाइव प्रसारण शाम 4 बजे से किया जाएगा।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद सारनी में भी उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

भंडारे के साथ संपन्न हुआ 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

सारनी, देशबन्धु। गायत्री प्रज्ञापीठ में 11 दिसंबर से जारी नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार को विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर हजारों नागरिकों ने यज्ञ भगवान को आहुतियां समर्पित की तथा भंडारे में प्रसादी ग्रहण की है। यज्ञ में गुरु दीक्षा एवं अन्य संस्कार तथा जिला चिकित्सालय की टीम के सहयोग से रक्तदान शिविर भी आयोजित हुआ जिसमें गायत्री परिवार कार्यकर्ताओ तथा समाज सेवी बंधुओं ने रक्तदान कर पुण्य लाभ लिया। कुछ परिजनों ने इस महायज्ञ में शराब, तंबाकू आदि बुराईयों को त्याग देने का संकल्प लिया।यज्ञ संचालन टोली प्रमुख धनराज धोटे ने बताया कि सद्बुद्धि के अभाव में सारे साधन व्यर्थ है गायत्री सद्बुध्दि की देवी है,वे श्रेष्ठ चिंतन के रूप में चिंतन और चरित्र की पवित्रता के रूप में भीतर विद्यमान होती है।उन्होंने शिक्षक, आचार्य

गुरु और सद्गुरु के बारे में बताया। मंच आसीन कुमारी दीक्षा धोटे ने दीपमहायज्ञ के दौरान प्रवचन में बताया कि गायत्री प्राणों की रक्षा करती है सदविवेक, सदचिंतन और सदज्ञान देने के साथ-साथ साधकों को प्रज्ञा बुद्धि देती है प्रज्ञा बुद्धि वह बुद्धि है जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमें विचलित नहीं होने देती। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक,वरिष्ठ समाजसेवी, सभी धार्मिक सामाजिक संगठन के जुड़े परिजन, नगर पालिका परिषद, व्यापारी वर्ग, गायत्री परिवार के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हमारा जीवन इसलिए दु:खी हो गया कि हम ढंग को छोड़कर ढोंग से जीने लगे: पं. नीरज

हरदा, देशबन्धु। मांदला मे ढोल्या परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर कथावाचक पंडित नीरज महाराज ने कहा कि कथा सदैव धर्म प्रिय होना चाहिऐ जिसके सुनने से हमारी धर्म के प्रति जागृति बने, मन के लिऐ मोहन की कथा है इसलिऐ मनमोहन की कथा नाम पड़ा। उन्होंने कहा हमारा जीवन इसलिऐ दु:खी हो गया कि हम ढंग को छोडकर ढोंग से जीने लगे। जिस प्रकार बोलने एवं रहन सहन का ढंग है ऐसा भजने का और जीवन जीने का भी ढंग है। उन्होंने बताया पुत्रवान बनाना परमात्मा के हाथ मे है पर पुण्यवान बनना हमारे हाथ मे है। खून के रिश्ते से भी बडा है भागवत का रिश्ता।कथा का समय दोपहर

एक बजे से चार बजे तक रखा गया है कथा मे ढोल्या परिवार ने सभी भक्तो से कथा सुनने का निवेदन किया।

कृषि उपज मंडी के पूर्ववत संचालन के लिए विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

मुलताई, देशबन्धु। नगर की कृषि उपज मंडी लगातार इन दिनों चर्चा में बनी हुई है, भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री सुंदरलाल बनखेडे ने मुख्यमंत्री एवं विधायक चंद्रशेखर देशमुख को पत्र लिखकर नगर की कृषि मंडी के अक्रियाशिलता पर नाराजगी जताते हुए, जल्द से जल्द पूर्ववत मंडी के संचालन कराए जाने विषय ज्ञापन सौपा था, जिसमे कहा गया था कि बैतूल जिले के मुलताई अनुभाग स्थित मुलताई कृषि मंडी राजनीतिक अक्षमता के कारण विगत 5 वर्षों से क्रियान्वित नहीं हो पा रही है। जिससे किसान दलाल एवं व्यापारियों के चंगुल में पिसता जा रहा है। मंडी का संचालन नहीं होने से किसानों की अधिसूचित कृषि उपजों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनका आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है। पिछले 5 वर्षों से व्यापारियों द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। जबकि क्रेता विक्रेताओं को सर्व सुविधायुक्त बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही कृषि मंडी की स्थापना की गई है, जिसमें कृषि उपज का विक्रय खुली नीलामी पद्धति से समर्थन मूल्य से अन्युन सौदा पत्रको के द्वारा किया जा सकता है, जो किसानों की आर्थिक समृद्धि हेतु आवश्यक है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा अधिसूचित फसले मक्का, गेहूं, सोयाबीन, मूंग, तुवर जैसी अन्य कृषि उपजों का बहतायत रूप से स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादन किया जा रहा है। मंडी बंद होने के कारण क्षेत्र में उत्पादित समस्त फसले व्यापारियों द्वारा मंडी के बाहर उनकी मर्जी के दाम पर विक्रय करने हेतु किसान विवश है। इसलिए उपरोक्तानुसार अनुरोध है कि मुलताई कृषि मंडी में खरीदी बिक्री की समस्त सुविधाएं उपलब्ध हो साथ ही मंडी का संचालन पूर्ववत कराए जाने के निर्देश तत्काल जारी कराए जाने का कष्ट करें। उपरोक्त ज्ञापन पर मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए, बैतूल जिला कलेक्टर को पत्र लिख कर मुलताई कृषि मंडी का संचालन पूर्ववत प्रारंभ कराए जाने के

स्वास्थ्य विभाग ने जिला चिकित्सालय में किया प्रशिक्षण का आयोजन

एड्स रोकथाम के लिए आमजन तक जानकारी पहुंचाई जाए: डॉ. उईके

बैतूल, देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय बैतूल में पीईपी (पोस्ट एक्सपोजर प्रोफायलेक्सिस) और एचआईव्ही एड्स एक्ट 2017 (द ह्यूमन इम्यूनो डेफिशियेंसी वायरस एण्ड एक्वायर्ड इम्युन डेफिशियेन्सी सिंड्रोम प्रिवेंशन एण्ड कंट्रोल) पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि एड्स की रोकथाम के लिये आवश्यक है कि आमजन तक यह जानकारी पहुंचाई जाए कि सुरक्षित यौन संबंध स्थापित किये जाएं। पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण खतरनाक साबित हो सकता है, एक जीवन साथी के प्रति समर्पित रहने की भावना विकसित करें, यौन संबंधों में नैतिकता स्थापित की जाएं। उन्होंने बताया कि संक्रमित गर्भवती महिला का गर्भावस्था से ही नियमित उपचार प्रारंभ करें। महिला का संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवायें। आवश्यकता पडने पर एचआईव्ही जांच कराने के पश्चात् ही रक्त चढ़ाया जाये। संक्रमित सिरिंज एवं सुइयों

का उपयोग नहीं किया जाये। एड्स से बचाव के उपायों के बारे में जनजागरूकता लाने हेतु चिकित्सक, मैदानी कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका है। स्वास्थ्य संस्थाओं में सेवा दे रहे स्टाफ द्वारा स्वयं की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतना आवश्यक है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.अशोक बारंगा ने बताया कि एड्स की बीमारी के प्रति जनसमुदाय में जागरूकता लाने का उद्देश्य यह है कि एड्स की बीमारी के प्रति जनसमुदाय में व्याप्त भय एवं भ्रांतियों का निवारण किया जाये, ताकि एड्स की बीमारी के साथ भी सामान्य जीवन जिया जा सकें। एच.आई.व्ही. वायरस हमारे शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र को नष्ट करता है, बीमारी के प्रति सावधानी एवं जानकारी पहुंचाना ही एक मात्र उपाय है। जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ आनंद मालवीय द्वारा पीईपी और एचआईव्ही एड्स एक्ट 2017 के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। उन्होंने संक्रमण के प्रकार, श्रेणियां, खतरे, एचआईव्ही संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम की जानकारी दी। एचआईव्ही एड्स एक्ट 2017 का क्षेत्राधिकार भेदभाव संबंधी निषेध, एचआईव्ही संचरण रोकने के कर्तव्य, अधिनियम अंतर्गत दंड के प्रावधान जोखिम को कम करने के लिये रणनीतियों को बढ़ावा देना, कानूनी कार्यवाही में पहचान, संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदाय की। एआरटी काउंसलर सह डाटा मैनेजर दिनेश भावरकर द्वारा टोल फ्री नंबर 1097 के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर डीएसओ डॉ राजेश परिहार, डीपीएम डॉ विनोद शाक्य जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं से चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन, कार्यक्रम अधिकारी लेप्रा सोसायटी श्री अरूण बाघमारे, योर्स सोसायटी कार्यक्रम प्रबंधक श्री निर्देश मदरेले सहित अन्य मौजूद रहे।

सार समाचार

इटारसी में एड्स जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक सभा

नर्मदापुरम,देशबन्धु। शुक्रवार को एड्स नियंत्रण पखवाड़ा के उपलक्ष्य में जन जागरुकता हेतु मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के तत्वाधान में सिविल अस्पताल इटारसी एवं शहर की अन्य आंगनवाड़ी स्थानों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए जिसमे जन सामान्य को एचआईवी फैलने के 4 कारणों जेसे संक्रमित सुई का प्रयोग, ब्लड लगवाने के पहले जांच इत्यादि से अवगत कराया गया एवं एड्स केसे नहीं फैलता है, वह भी बताया गया। साथ ही जन सामान्य को अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1097 का उपयोग करने की सलाह दी गई। नुक्कड़ नाटक एवं सभा के दौरान अधीक्षक डॉ आर के चौधरी, गणेश उपरारिया आईसीटीसी सलाहकार, शहरी स्वास्थ्य सुपरवाइजर सुनील साहू, प्रशांत मेहरा , टीआई एनजीओ से मोहित भलावी, बसंत सोनी,सुमित यादव एवं स्टॉफ उपस्थित रहा।

आज एसएनजी स्कूल में आयोजित होगा अनुगूंज

नर्मदापुरम,देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वाधान में संभाग स्तरीय अनुगूंज 2023 का आयोजन 16 दिसंबर 2023 को किया जाएगा। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग नर्मदापुरम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि अनुगूंज 2023 का आयोजन शनिवार को शासकीय एसएनजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाम 6 बजे से किया जाएगा।

अयोध्या से आये पूजित अक्षत कलशों का वितरण किया

इटारसी, देशबन्धु। अयोध्या से आये पूजित अक्षत कलशों का नर्मदापुर जिले के डोलरिया खंड में वितरण किया गया। इस अवसर पर खंड संघचालक लखन सिंह राजपूत, विश्व हिन्दू परिषद प्रांत सह मंत्री गोपाल सोनी, जिला मंत्री प्रभात तिवारी उपस्थित रहे। इस दौरान डोलरिया, भीलाखेड़ी, मिसरौद, गुनोरा, सांवलखेड़ा, बधवाड़ा, ढॉबा, दंतवासा मंडल केन्द्रों से आये कार्यकर्ताओं को अक्षत वितरण किया।

संभाग स्तरीय अनुगूंज कार्यक्रम आज से

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संभाग स्तरीय कार्यक्रम अनुगूंज का आयोजन कल 16 दिसंबर को शाम 6 बज शासकीय एसएनजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम में होगा

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नर्मदापुरम विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा, विशिष्ट अतिथि सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई पटेल, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे मौजूद रहेंगे।

400 छात्र दिखाएंगे अपनी प्रतिभा का हुनर: अनुगूंज कार्यक्रम का आयोजन 16 दिसंबर को एसएनजी स्कूल में शाम को 6 बजे से होगा, जिसमें नर्मदापुरम जिले के समस्त शासकीय शासकीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, श्रीमती भावना दुबे ने बताया कि इस कार्य को संचालित करने हेतु, विभिन्न प्रकार की समितियां बनाई गई है, एवं स्पेशलिस्ट मेंटर्स द्वारा बच्चों को चिन्हित कर प्रशिक्षण दिया किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय स्कूल के बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारना है।

ये स्कूल शामिल होंगे: कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जुमेरती नर्मदापुरम, शासकीय हाई स्कूल रसूलिया, शासकीय एसएनजी स्कूल नर्मदापुरम, शासकीय एसपीएम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम, सीएम राइस हायर सैकंड्री स्कूल पवारखेड़ा, जनजाति कार्य विभाग कन्या शिक्षा परिसर, ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम के छात्र भाग ले रहे हैं।

रेत माफियाओं की गुंडागर्दी, निजी वाहन चालक का सिर फोड़ा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में रेत माफियाओं की गुंडागर्दी शुरू हो गई है। रेत चोरों ने अवैध रेत से भरी ट्रॉली पकड़ने पर महिला नायब तहसीलदार और खनिज टीम पर पथराव कर दिया गया। माफिया ने प्राइवेट ड्राइवर का सिर फोड़ दिया। टीम को ट्रॉली छोड़कर जान बचाकर भागना पड़ा। घटना गुरुवार देर शाम की है। शुक्रवार दोपहर महिला अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है। जिसके बाद शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर राजस्व एवं खनिज विभाग के अमले पर हमला करने और निजी वाहन चालक से मारपीट के प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। घटना के आरोपी सोनू निमोदा एवं मयंक निमोदा के विरुद्ध देहात थाना नर्मदापुरम द्वारा धारा 353, 186, 323 एवं 34 के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज कराया है। एसडीएम नर्मदापुरम आशीष पांडे ने बताया कि गुरुवार शाम को राजस्व अमला सीमांकन कार्य समाप्त करने के पश्चात ग्राम पांजराकला होते हुए तहसील कार्यालय नर्मदापुरम पहुंच रहे थे, तभी रास्ते में पांजराकला में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पांजराकला जोड़ पर रेत से भरा हुआ ट्रेक्टर ट्राली पांजराकला के तरफ जा रहा था। जो राजस्व अमले की गाड़ी को देखकर ट्राली को छोड़ कर ट्रेक्टर लेकर भाग गया। जिसके बाद राजस्व के अमले द्वारा माइनिंग विभाग को कार्यवाही के लिए बुलाया गया। साथ ही अन्य ट्रेक्टर एवं प्राईवेट चालक छुट्टू गोस्वामी को ट्राली को ले जाने एवं अग्रिम कार्यवाही के लिए बुलाया गया। माइनिंग विभाग के अमले द्वारा ट्रैक्टर सहित ट्राली को चालक छुट्टू गोस्वामी को चलाने के लिए कहा तब वहा पर आरोपी सोनू निमोदा, मयंक निमोदा वहा पर आए और राजस्व व माईनिग विभाग की टीम पर हमला कर दिया व प्राईवेट चालक छुट्टू गोस्वामी को सोनू निमोदा, मयंक निमोदा ने उनके हाथ में पत्थर लेकर मारा जिससे छुट्टू निमोदा को सिर मे व शरीर में अन्य जगह चोटे आई है। छोटू गोस्वामी को नर्मदा अपना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। उक्त आरोपियों द्वारा राजस्व व माईनिग टीम पर हमला कर शासकीय कार्य मे बाधा पहुंचाई गई है। जिसमें आरोपियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्यवाही के लिए आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया गया है। वहीं एसडीएम ने बताया कि ग्राम पांजराकला में हुई घटना के संबंध में नायब तहसीलदार ग्रामीण कीर्ति प्रधान द्वारा घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई। जिस पर उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया है।

नपा सभागार में विभिन्न धर्मगुरुओं और मांस-मछली विक्रेताओं को दी नियमों की जानकारी

ध्वनि विस्तारक यंत्रों और खुले में मांस-मछली विक्रय के प्रतिबंध पर बनी रणनीति

इटारसी, देशबन्धु। नगर में धार्मिक स्थलों में लाउड स्पीकर प्रयोग के निर्धारण को समझाने और खुले में मांस बिक्री पर रोक लगाने आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नीता कोरी ने विभिन्न धर्मगुरुओं, पुलिस अधिकारियों की एक बैठक नगर पालिका सभागार में ली।

एसडीएम नीता कोरी ने बताया कि लाउड स्पीकर प्रयोग के संबंध में शासन के जो निर्देश हैं, उसके अनुरूप ही इनका उपयोग हो और निर्धारित डेसीबल में अपने लाउड स्पीकर सिस्टम को सेट करने के सभी को दिये गये हैं। बैठक में शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का कहा गया है।

निर्देशों का उल्लंघन पाये जाने पर एक टीम इसकी जांच करेगी और तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सक्षम अधिकारी को पेश करेगी। रिपोर्ट के अनुसार यदि उल्लंघन पाया गया तो संबंधित के खिलाफ नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी। बैठक में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेन्द्र सिंह चौहान, टीआई गौरव सिंह बुंदेला, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा, विभिन्न थानों के इंचार्ज, विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख और धर्मप्रमुख मौजूद थे।

इटारसी में सीएम के निर्देश पर बनी टीम

प्रदेश के नए सीएम डॉ. मोहन यादव की पहली बैठक के निर्देश पर नपा सभागार में हुई बैठक में खुले में मांस बिक्री रोकने और निर्धारित मापदंडों के आधार पर ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने को लेकर रणनीति बनाई गई।

संयुक्त दल गठित किए

यह दल नियमित रूप से भ्रमण करेंगे और धर्मगुरूओं एवं मैरिज गार्डन संचालकों के साथ ही डीजे संचालकों को भी शासन के नियमों से अवगत कराते हुए बिना अनुमति के और निर्धारित डेसिबल से अधिक का प्रयोग नहीं करें। जिन्हें भी ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुमति चाहिए वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में यह भी निर्देश दिए कि सभी थाना स्तरों पर एक सूची भी संधारित की जाए। जिसमें ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने वालों का विस्तृत विवरण अंकित हो। धार्मिक स्थलों अथवा अन्य स्थानों में निर्धारित मापदंड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर-डीजे) का उपयोग किया जा सकेगा। राज्य शासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के वैधानिक उपयोग की जांच के लिये सभी तहसील में उड़नदस्ते गठित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। तहसील में प्रदूषण नियंत्रण एवं खुले में मांस, मछली का विक्रय प्रतिबंधित करने के संबंध में भी निर्देश दिए गए। यहां बैठक में अपने-अपने क्षेत्र में धर्मगुरूओं के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें शासन के प्रावधानों से अवगत कराया तथा धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्व अनुमति के साथ ही निर्धारित डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है।

धर्मगुरूओं के साथ भी हुई बैठक

शासन द्वारा दिए निर्देशों के परिपालन में धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग तथा खुले में मांस तथा मछली का विक्रय करने के संबंध में जिले में चलाए जाने वाले अभियान के संबंध में शहर के विभिन्न धर्मगुरूओं के साथ अधिकारियों ने बैठक ली और बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधान तथा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के पालन में लाउड स्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है।

खुले में मांस-मछली बिक्री पर रोक

खुले में बिना लाइसेंस मांस-मछली बिक्री पर राज्य सरकार ने रोक लगा दी है। इसके लिए 15 से 31 दिसंबर के बीच विशेष रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई की जानी है। नगरीय प्रशासन विभाग ने भी इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं, जिसके पालन में गुरुवार को सीएमओ ने खुले में मांस-मछली बिक्री की स्थिति में कार्रवाई करने के लिए दो नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं।

राशन न मिलने की एसडीएम से शिकायत

सोहागपुर, देशबन्धु। नगर की शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर अनियमितताएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आलम यह है कि एक 4 माह से एक व्यक्ति को राशन नहीं मिला है। जिसकी शिकायत फरियादी ने एसडीएम से की है। जिसमें मामला झरमता निवासी धर्मेन्द्र पुरबिया का है, जिसे 4 माह से राशन नहीं दिया जा रहा है। दुकान संचालक कमल आनाकानी करता है। राशन लेने सुबह 11 बजे के पहले और 1 तारीख से 5 तारीख के बीच बुलाता है इस समय में न जाने पर राशन नहीं देता और अभद्रता करते हुए परेशान करता है। परेशान होकर इस अत्यंत गरीब व्यक्ति ने अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत और खाद्य अधिकारी को लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। आवेदक धर्मेन्द्र ठाकुर का परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में 4 माह से राशन नहीं मिला, जिससे वह बहुत परेशान है। राशन दुकान संचालक की मनमानी पर अंकुश कोई नहीं लगाता। नीचे से ऊपर सभी की सांठ-गांठ के चलते पूर्व की तरह आज भी राशन कार्ड धारक परेशान हैं, जिस पर उच्च अधिकारियों को कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य समिति सभापति ने बाजार में सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

बाजार में तैनात 23 में से दस कर्मचारी काम से अनुपस्थित मिले

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका में स्वास्थ्य समिति के सभापति राकेश जाधव ने आज बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण कर जिम्मेदारों से सफाई संबंधी जानकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त की।

विभाग के कर्मचारियों के कामों का निरीक्षण करने पहुंचे सभापति राकेश जाधव ने बाजार क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया तो 23 कर्मचारियों में से 10 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सभापति ने सुपरवाइजर नरेश घारू, राहुल घावरी से अनुपस्थित कर्मचारियों की अनुपस्थिति रजिस्टर में दर्ज कराते हुए चेतावनी दी कि कल से कोई भी कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित होता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। स्वच्छता में लापरवाही करने वाले कर्मचारी सुधर जाएं। स्वच्छता प्रभारी स्वदेश महोरिया को सभी वार्डों में दोपहर में ड्यूटी पर नहीं आने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी ने ली बैठक, कहा - लाउडस्पीकर और डी.जे. करें नियमों का पालन, खुले में न हो मांस-मछली का विक्रय

बनखेड़ी, देशबन्धु। पुलिस थाना बनखेड़ी में शुक्रवार दोपहर को लाउडस्पीकर, डी.जे. और खुले में पशु मांस मछली विक्रय के संबध में स्थानीय प्रशासनिक अमले ने सभी वर्गों के नागरिकों की एक बैठक आयोजित की गई।

थाना प्रभारी सुधाकर बारसकर ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के प्राप्त आदेश अनुसार बनखेड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में धार्मिक व अन्य स्थानों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्र लाउडस्पीकर, डी.जे. की साउंड प्रणाली के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण करने के संबंध में जहां बताया गया। वहीं खुले में पशु मांस और मछली विक्रय की रोकथाम के नए नियमों के संबंध में जानकारी दी गई।

थाना प्रभारी श्री बारसकर ने बताया कि बनखेड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में बिना लाइसेंस के कोई भी मांस-मछली की दुकान खुले में संचालित नहीं होगी। यदि बगैर लाइसेंस की कोई दुकान चलाते हुए मिली तो उसे पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नायाब तहसीलदार नीरज बेस, थाना प्रभारी सुधाकर बारसकर, परिषद से अरविंद कुमार सराठे, हिंदू समाज सदस्य और मुस्लिम समाज के सदस्य बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए।

आरबीएफसी की फुटबाल प्रतियोगिता में पैरामाउंट नर्मदापुरम और नर्मदापुरम एकेडमी जीते

इटारसी,देशबन्धु। रेलवे बॉयज फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर-16 फुटबॉल प्रतियोगिता एवं मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता में 6 वे दिन का पहला मैच पैरामाउंट क्लब नर्मदापुरम और सन्डे मॉर्निंग फुटबॉल क्लब इटारसी के मध्य खेला। मैच के रेफरी सुदीप्त, लाइनमैन अंकुश मसीह, अक्षत तिवारी, मितेश थे। थर्ड रेफरी डालचंद राज थे।

मैच के हाफ टाइम तक दोनों ही टीम बराबर रही। सेकंड हाफ में पैरामाउंट के जयदेव ने 45 से मिनट में गोल-मारकर टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। जयदेव द्वारा लगातार दो गोल और मारे। पैरामाउंट क्लब 3-0 से आगे बढ़ रही थी, तब संडे मॉर्निंग क्लब की ओर से शिव द्वारा 1 गोल बढ़त को कम किया लेकिन पैरामाउंट क्लब के जयदेव ने फिर 1 गोल, हर्षित ने 1 गोल किया। पैरामाउंट की टीम 6-1 से आगे हो गयी। अंतिम मिनट में पैरामाउंट क्लब के मोनू द्वारा डी के अंदर फाउल किया, रेफरी ने पेनल्टी दी। मॉर्निंग क्लब के रितेश ने पेनल्टी को गोल में बदला। अंतिम स्कोर स्कोर 6-2 से पैरामाउंट के पक्ष में रहा।

जीनियस प्लेनेट स्कूल की ओर से जयदेव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया एवं सेमीफाइनल में पैरामाउंट क्लब ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीनियस प्लेनेट स्कूल की ओर से जयदेव को दिया। मैच के मुख्य अतिथि एसडीओपी इटारसी महेंद्र सिंह चौहान का जन्मदिन क्लब के सभी सदस्यों ने मनाया और मैदान पर केक काटा एवं मिठाई बांटी। अतिथि के रूप में थाना प्रभारी गौरव बुंदेला, लाल झंडा यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष आरके यादव, राहुल सोनी, मुबारक अली, अमरीश सिंह, प्रदीप मालवीय, रविंद्र चौधरी ने क्लब के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, देवेंद्र खाड़े के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में महेंद्र सिंह चौहान ने क्लब का आभार किया एवं गरीब बच्चों के लिए 15 टी-शर्ट देने की घोषणा की। मैच का संचालन कमेंटेटर राकेश पांडे ने किया। दूसरा मैच नर्मदा एकेडमी एवं हरदा के मध्य अंडर 16 संपन्न हुआ जो काफी रोमांचक रहा। नर्मदा अकादमी ने हरदा को 2-0 से पराजित किया। आज शाम को सोहागपुर अंडर 16 एवं गुरुकुल अंडर 16 नर्मदा पुरम के मध्य प्रथम मैच होगा। दूसरा मैच सोहागपुर ए, वर्सेस गुरुकुल के टीम के मध्य मैच खेला जाएगा। उक्त जानकारी क्लब के कोच राकेश मसीह ने दी।

चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता कल से

24 समाजों की टीमें शनिवार को रैली निकालकर देंगे सद्भावना का संदेश

नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रतियोगिता के लिए ट्रॉफियों का किया अनावरण

इटारसी, देशबन्धु। रविवार 17 दिसंबर से गांधी मैदान पर होने वाली चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने वाली 24 टीमों के छह ग्रुप बनाए गये हैं। आज यहां श्री प्रेमशंकर दुबे स्मृति पत्रकार भवन में आयोजक जिला सर्वधर्म सद्भाव समिति के पदाधिकारियों ने मीडिया को प्रतियोगिता की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर आयोजन समिति से जुड़े अनिल मिहानी, अनिल राठी, आलोक गिरोटिया, राकेश पांडेय, राकेश दुबे, गोल्डी बैस सहित सभी चौबीस समाजों की टीमों के कप्तान और शहर के पत्रकार मौजूद रहे। चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 18 से 24 दिसंबर तक गांधी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे एवं प्रतियोगिता संयोजक जितेन्द्र ओझा ने बताया कि इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य खेल के माध्यम से इटारसी के विभिन्न समाजों में एकता की अलख जगाना है ताकि विभिन्न समाज की प्रतिभाऐं आगे आयें वो एक दूसरे को जाने और शहर में भाईचारे, सौहार्द्र का वातावरण निर्मित हो सके।

आज यहां पत्रकार भवन में प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीमों को दी जाने वाली ट्रॉफी का अनावरण भी नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया। सर्वधर्म सद्भाव के जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने बताया कि जिला सर्व ब्राह्मण समाज का सदैव उद्देश्य नैकी का रहा है और इस उद्देश्य की प्राप्ति में सभी समाजों का सहयोग अपेक्षित है। अपनी तरह के इस अनूठे आयोजन में शहर इटारसी के लगभग 24 समाजों की टीमें आपसी भाईचारे और सामंजस्य के उत्कृष्ट उदाहरण के साथ शहर की फिजां में मेलजोल का रस घोलने गांधी स्टेडियम में अपनी खेल भावना का प्रदर्शन करेंगी।

श्री ओझा ने बताया कि देशभर में ऐसी एकता की मिसाल दूसरी नहीं हो सकती जो शहर इटारसी में भाइचारे की देखने को मिलती है। देश के किसी भी हिस्से में किसी भी प्रकार की हलचल या अराजकता हो पर इटारसी में हमेशा हम, एक हैं और सदैव भाईचारे के संदेश को ही प्रसारित करते हैं। आपस में यह प्रगाढ़ता और बढ़े इसी उद्देश्य को लेकर इस टूर्नामेंट के आयोजन की नींव रखी गई है। टूर्नामेंट प्रबंधन समिति के राकेश दुबे के अनुसार टूर्नामेंट की विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 35000 रुपए की नगद राशि जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 21000 रुपए की नगद राशि प्रदान की जायेगी। एंट्री फीस 3500 रुपये रखी गयी है।

इन ग्रुप में रहेंगी ये टीमें

ग्रुप ए - रैकवार समाज, ब्राह्मण समाज, ईरानी समाज और आदिवासी समाज।

ग्रुप बी - बाल्मिकी समाज, राजपूत समाज, क्रिश्चियन समाज और यादव समाज।

ग्रुप सी - विश्वकर्मा समाज, संत रविदास समाज, मराठी समाज और जैन समाज।

ग्रुप डी - गुर्जर समाज, बंगाली समाज, कुचबंदिया समाज, कतिया समाज।

ग्रुप ई - बंसकार समाज, कुर्मी समाज, भाट समाज और सिख समाज।

ग्रुप एफ - सिंध समाज, सेन समाज, मुस्लिम समाज और पासी समाज।

मुख्यमंत्री ने प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से किया संवाद

देश के विकास का आधार बनेगी नई शिक्षा नीति

डॉ. यादव ने किया एमवीएम कॉलेज का निरीक्षण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करेंगे। हर जिले में जिला महाविद्यालयों का प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय के रूप में उन्नयन किया जाएगा। इन महाविद्यालयों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में पहुंचे डॉ. यादव ने यह बात यहां विद्यार्थियों और प्राध्यापकों से संवाद के दौरान कही।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालयों में सभी संकायों से सबंधित कोर्स संचालित किए जाएंगे। विद्यार्थियों के लिए सर्व सुविधायुक्त कक्षाएं, खेल मैदान, ऑडिटोरियम, प्लेसमेंट सेल, ट्रेनिंग सेंटर आदि की सुविधा होगी। डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश अग्रणी रहा है। इस नीति के अनुसार महाविद्यालयीन शिक्षा के साथ वोकेशनल सब्जेक्ट, व्यक्तित्व विकास, योग शिक्षा और संगीत सहित विभिन्न विषयों की शिक्षा दी जाएगी। योग्य प्राध्यापक और प्रशिक्षक की नियुक्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एमवीएम कॉलेज की भूविज्ञान प्रयोगशाला के नमूनों को देखा और जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रयोगशाला के रखरखाव संबंधी आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा के. सी. गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य एमवीएम कॉलेज डॉ. गीता मोदी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पूछे सवाल ....

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से नई शिक्षा नीति, डिजि लाकर, जैसे विषयों पर संवाद किया।

मुख्यमंत्री - नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के विकास के लिए क्या क्या प्रावधान है?

प्राध्यापक - नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के समेकित विकास पर केंद्रित है। इसमें विद्यार्थियों को संकाय के विषय के साथ उद्यमिता, योग, कला संकाय के विषय, संगीत भी संवाद, ग्रुप डिस्कशन और विचार मंथन आदि माध्यमों से पढ़ाया जाता है।

मुख्यमंत्री- लोकरंग में क्या अनुभव किया?

विद्यार्थी- लोकरंग में जनजातीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। किताबों की दुनिया से बाहर निकलकर जनजातीय संस्कृति को महसूस करने का यह पहला अवसर मिला।

मुख्यमंत्री- डिजि लाकर के बारे में क्या जानते हैं?

विद्यार्थी- मंत्री परिषद ने छात्रों की डिग्री/मार्कशीट भी डिजि लाकर में अपलोड करने का निर्णय लिया है। डिजि लाकर में डिग्री/मार्कशीट वेरिफाइड डॉक्यूमेंट होंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अलग-अलग स्थानों से यात्रा में होंगे शामिल

विकसित भारत संकल्प यात्रा से पूरी होंगी प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास, गरीब कल्याण और जनहितकारी योजनाओं के साथ प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ शनिवार 16 दिसंबर 2023 को उज्जैन के दशहरा मैदान से किया जा रहा है। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह को वर्चुअली संबोधित कर हितग्राहियों से संवाद करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि इस यात्रा का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया जाएगा। शनिवार 16 दिसंबर को उज्जैन से प्रारंभ हो रही इस यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेतागण प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से शामिल होंगे। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान जनहितकारी एवं कल्याणकारी योजनाओं को केंद्र की 366 आईसीसी वैनों के द्वारा घर-घर पहुंचाया जाएगा।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के साथ केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना को पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के पूरी पारदर्शिता के साथ योजनाओं का लाभ लक्षित व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहभागिता कर यात्रा को सफल बनाने के लिए अपना योगदान दें।

इन्हें सौंपी जिम्मेदारी

विकसित भारत संकल्प यात्रा को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा पन्ना, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला रीवा, केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक छतरपुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री व विधायक प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत शिवपुरी, प्रदेश कार्यालय प्रभारी व विधायक भगवानदास सबनानी भोपाल, सांसद सुधीर गुप्ता मंदसौर, महेन्द्र सिंह सोलंकी शाजापुर, गणेश सिंह सतना, के.पी.यादव अशोकनगर, गुमान सिंह डामोर झाबुआ, श्रीमती संध्या राय भिण्ड, विवेक नारायण शेजवलकर ग्वालियर, शंकर लालवानी इंदौर, राजबहादुर सिंह सागर, जनार्दन मिश्रा रीवा, पूर्व मंत्री व विधायक तुलसी सिलावट इंदौर, प्रद्युम्न सिंह तोमर ग्वालियर तथा विधायक श्रीमती रीति पाठक सीधी से हरी झंडी दिखायेंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ग्वालियर मामले में प्रभावित छात्रों के अभिभावकों को मदद का दिया भरोसा, कहा-

कुलपति को अस्पताल पहुंचाने वाले छात्रों की मंशा अपराधिक नहीं मानवतावादी थी

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर एक निजी विश्वविद्यालय के कुलपति को अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन ले जाने के मामले में छात्रों को आरोपी बनाए जाने के मामले पर संज्ञान लिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने छात्र एवं उनके अभिभावकों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री शर्मा ने कहा कि निजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रणजीत सिंह जो दिल्ली से झांसी जा रहे थे, उनका अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया। उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए मानवीयता के आधार पर छात्रों ने ग्वालियर रेल्वे स्टेशन पर आनन-फानन में उन्हें उतारा और समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी न्यायाधीश की कार का उपयोग किया, ताकि कुलपति को जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। हालांकि कुलपति प्रो. रणजीत सिंह की जान नहीं बचाई जा सकी, उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस पूरे मामले में कुलपति की सहायता करने वाले छात्रों पर गंभीर धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। श्री शर्मा ने कहा कि दोनों छात्रों ने मानवीय आधार पर कुलपति की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए, छात्रों का उद्देश्य मानवतावादी था। श्री शर्मा ने छात्रों के परिजनों को भरोसा दिलाया है कि उन पर दर्ज प्रकरण को लेकर मानवता के आधार पर हर संभव मदद की जाएगी। छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन पर दर्ज प्रकरण को वापस कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा। श्री शर्मा ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि छात्रों के भविष्य को देखते हुए जल्द से जल्द मामले को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

कुलपति की जान बचाने के प्रयास में छात्रों से अज्ञानतावश हुआ अपराध

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को शिवराज ने लिखा पत्र

छात्रों को माफ करें मी लार्ड...

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि 'माफ करें मिलार्ड ...'। दरअसल श्री चौहान ने इस पत्र के माध्यम में मुख्य न्यायाधीश से उच्च न्यायालय के जज की कार छीनने वाले छात्रों के बचाव में अपील की है।

पुलिस ने इस मामले में डकैती की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, इन छात्रों पर जज की कार छीनने का आरोप है। जज की कार छीनने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दोनों कार्यकर्ता वर्तमान में जेल में हैं, न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका को ये कहकर ख़ारिज कर दिया कि किसी की मदद करने के लिए कार को जबरज छीनकर ले जाना उचित नहीं है। छात्रों की रिहाई की मांग को लेकर विद्यार्थी परिषद आंदोलन कर रही है और नरमी बरतने की मांग कर रही है। उधर अब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने भी मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर दोनों छात्रों को क्षमा करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने मुरैना से ग्वालियर तक घटे पूरे घटनाक्रम का जिक्र पत्र में किया है और कहा है कि दोनों छात्र हिमांशु और सुकृत ने जो किया उसमें उनकी भावना कुलपति की किसी भी स्थिति में जान बचाना था। उन्होंने कहा कि चूंकि ये अपराध मानवीय आधार पर किसी की जान बचाने के अभिप्राय से किया गया है इसलिए उनका यह कृत्य क्षमा योग्य है।

महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : विभा

भोपाल, देशबन्धु। महिला कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विभा पटेल ने महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों से आव्हान किया है कि वे लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। यह बात उन्होंने भोपाल और विदिशा जिले की महिला कांग्रेस पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस पूरी ताकत के साथ मैदान में आएगी और महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए सदन से सड़क तक लड़ाई लड़ेगी।

श्रीमती पटेल ने भाजपा की जीत पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस अप्रत्याशित निर्णय से जनता हतप्रभ है, क्योंकि जनता का स्पष्ट रूख कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए एकतरफा था। श्रीमती पटेल ने कहा कि प्रदेश की नवनिर्वाचित सरकार से उम्मीद है कि वह महिलाओं का सम्मान और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए सशक्त कदम उठाएगी। बैठक में लोकसभा चुनाव में महिला कांग्रेस की भूमिका को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई।

बैठक में राजलक्ष्मी नायक प्रतिभा तोमर, राशिदा मुस्तफा, गीता जाटव, श्वेता पटेरिया, कुसुम पाल, ज्योति पदम, वैशाली, रजनी दुबे, शीला भारती सहित महिला कांग्रेस की अन्य महिला नेत्रिया पदाधिकारी उपस्थित थीं।

कांग्रेसजनों ने किया सरदार पटेल का पुण्य स्मरण

भोपाल, देशबन्धु। देश के प्रथम गृह मंत्री स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लौह पुरुष स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल की 73 वीं पुण्य तिथि पर कांग्रेसजनों ने उनका पुण्य स्मरण किया। कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया। इसके पहले कांग्रेसजनों ने वल्लभ भवन स्थित लौह पुरूष की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रकाश जैन ने कहा कि बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे श्री पटेल को सत्याग्रह की मिली सफलता पर वहां की महिलाओं ने उन्हें सरदार की उपाधि प्रदान की। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरे भारत के भू-राजनीतिक एकीकरण में केन्द्रीय भूमिका निभाने के लिए पटेल को लौह पुरूष भी कहा जाता है। उन्होंने भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वे एक भारतीय अधिवक्ता और राजनेता थे, जो कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और भारतीय गणराज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई और एक एकीकृत, स्वतंत्र राष्ट्र में अपने एकीकरण का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता और कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण , भोपाल जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, अनीस खान गुड्डू, मुजफ्फर अली, अभिषेक शर्मा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नागपुर से लोस चुनाव का शंखनाद करेगी कांग्रेस

- 28 दिसम्बर को करेगी बड़ी रैली
- राहुल, प्रियंका गांधी व खड़गे करेंगे रैली में शिरकत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस 28 दिसम्बर को अपना 139वां स्थापना दिवस समारोह नागपुर में आयोजित करने जा रही है। इस अवसर पर पार्टी नागपुर में एक बड़ी रैली का आयोजन भी करेगी, जिसमें पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। माना जा रहा है कि इस रैली से कांग्रेस लोकसभा चुनाव-2024 का शंखनाद भी करेगी।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाली रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी। इसमें करीब 10 लाख से ज्यादा लोगों के शिरकत करेंगे। इस बीच वेणुगोपाल ने 13 दिसम्बर को संसद सुरक्षा चूक मामले पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद पर दो बार हमला हुआ है। दोनों बार यह हमला तब हुआ जब केंद्र में भाजपा की सरकार रही। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश को पता है कि संसद के भीतर क्या हो रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल किया कि भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन से जनता परेशान हो गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

दसवें दिन कामकाज रहा.... पर विपक्षी सांसदों को अवैध तरीके से निलंबित करना कहां का न्याय है? उन्होंने कहा कि विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दोनों सदनों में अपनी संयुक्त रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सुबह मुलाकात की थी। खड़गे ने कहा क गृह मंत्री टीवी पर साक्षात्कार दे सकते हैं, लेकिन वह सदन में हुए इस मुद्दे पर बयान देने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर सवाल उठाना हमारा कर्तव्य है।

संसद में सेंध का साजिशकर्ता.... गुरुवार रात ललित को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने शुक्रवार को उसे अदालत के समक्ष पेश किया, जहां पुलिस ने ललित की 15 दिनों की हिरासत की गुहार लगाई थी। पुलिस ने अदालत के समक्ष दावा किया कि ललित ने उसके समक्ष साजिशकर्ता होने का दावा किया है। उसी ने लोकसभा के भीतर और बाहर गिरफ्तार आरोपियों के लिए योजना बनाई थी। इसी अदालत ने सागर शर्मा, मनोरंजन डी, अमोल शिंदे और नीलम देवी को कल दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की सात दिनों की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ की.... दिए एक हलफनामे में दावा किया कि मोइत्रा ने उन्हें अपने लोकसभा पोर्टल लॉगिन क्रेडेंशियल दिए थे। आरोपों में कारोबारी हीरानंदानी ने मोइत्रा की तरफ संसद में सवाल पूछने के लिए इसका इस्तेमाल किया और बदले में महुआ को नकद और तोहफे दिए। इन आरोपों को देखेते हुए केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी मामले में एफआईआर दर्ज की थी। सांसद दुबे के आरोपों के बाद अक्टूबर में उनके खिलाफ संसदीय जाँच शुरू की गई थी।

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानों में सर्दी बढ़ी

दिल्ली में पारा 5 डिग्री, शिमला से ज्यादा ठंड

- मध्य प्रदेश-राजस्थान में न्यूनतम तापमान सात डिग्री
- दिल्ली में शुक्रवार रहा मौसम का सबसे ठंडा दिन

नई दिल्ली, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बीते कुछ दिनों से जारी बर्फबारी के चलते पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में ठंड बढ़ गई है। दिल्ली में शुक्रवार को सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में शिमला से भी ज्यादा ठंड है। शिमला में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, हरियाणा का हिसार भारत के मैदानी इलाकों में सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। भारत के अधिकांश हिस्सों में ठंड के कारण विजिबिलिटी 500 मीटर से भी कम रही। मप्र-राजस्थान के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से कम रहा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में ओस जम गई। मौसम विभाग ने कहा कि हरियाणा, चंडीगढ़, यूपी, एमपी, बिहार,असम, मेघालय, उत्तरी राजस्थान और त्रिपुरा में भी मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा। दिल्ली में अगले चार दिन तक हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस सप्ताह के दौरान इन सभी इलाकों के तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद नहीं है। हालांकि, अगले सप्ताह से देश के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान में गिरावट की उम्मीद है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली में 14 दिसम्बर को एक्यूआई बहुत खराब (326) रहा। शुक्रवार में सुधार हुआ है। जिससे यह बहुत खराब से खराब की लिस्ट में आ गया है। बता दें कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच हल्का, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली-पंजाब में घना कोहरा

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली के लोधी रोड, आयानगर, कर्तव्य पथ सहित कई इलाकों में घना कोहरा भी छाया रहा। पंजाब के अमृतसर में भी घने कोहरे की चादर छाई रही। यहां पर मिनिमम टेम्प्रेचर 6 डिग्री सेल्सियस रहा। कोल्ड वेव के चलते अमृतसर में जगह-जगह अलाव जल रहे हैं।

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता मामले पर बोला सुप्रीम कोर्ट

10 जनवरी तक देना होगा फैसला

- अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए शीर्ष में लंबा समय देने से किया इनकार
- महाराष्ट्र विस अध्यक्ष ने अदालत से की थी और समय की मांग
- 31 दिसम्बर को फैसला देने के दिए थे निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को 10 दिन का और समय दिया है। राहुल नार्वेकर को पहले 31 दिसम्बर तक का समय दिया गया था। अब डेडलाइन बढ़ाकर 10 जनवरी 2024 कर दी गई है। दरअसल, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद गुट) एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ पार्टी तोड़कर जाने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग कर रहे हैं। इस मामले पर जल्द फैसला लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

विधानसभा स्पीकर ने तीन हफ्ते का समय मांगा था- राहुल नार्वेकर ने 14 दिसम्बर) को कोर्ट को बताया था कि विधायकों की अयोग्यता को लेकर 2 लाख 71 हजार से अधिक पन्नों के डॉक्यूमेंट्स दाखिल किए गए हैं। महाराष्ट्र का विधासनभा सत्र भी चल रहा है। इसलिए मुझे फैसला लेने के लिए 3 हफ्ते का समय लगेगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विधानसभा स्पीकर ने

फैसले में देरी के जो कारण बताए हैं, वो वाजिब है। हम अध्यक्ष को फैसला सुनाने के लिए 10 जनवरी तक का समय देते हैं। इससे पहले कोर्ट ने 17 अक्टूबर को कहा था- हम नहीं चाहते कि यह मामला महाराष्ट्र में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव तक लटक जाए। हमने बार-बार स्पीकर से फैसला लेने के लिए कहा है। अगर वह फैसला नहीं करेंगे तो हम करेंगे।

बाक्स मणिपुर हिंसा में क्षतिग्रस्त धार्मिक-स्थलों की जानकारी मांगी

इंफाल। सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर हिंसा में क्षतिग्रस्त हुए धार्मिक स्थलों को लेकर राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने शुक्रवार 15 दिसम्बर को राज्य सरकार से पूछा कि धार्मिक स्थलों को बचाने के लिए क्या उपाय किए हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मणिपुर सरकार को हिंसा में क्षतिग्रस्त धार्मिक स्थलों की पहचान करने के बाद दो हफ्ते के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

मथुरा ईदगाह सर्वे रोकने से स्पष्ट का इनकार

मथुरा। कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर विवाद में मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसम्बर को दिए फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर का तीन अधिवक्ता आयुक्तों की टीम द्वारा सर्वे करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को शाही ईदगाह विवाद से जुड़े 18 मामलों में से 17 मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह परिसर का सर्वे करने का निर्देश दिया। यह सर्वे अधिवक्ता आयुक्तों की टीम करेगी। हालांकि सर्वे कब शुरू होगा, इसकी तारीख आनी अभी बाकी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट 9 जनवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

लैंगिक समानता यथार्थवादी होनी चाहिए : उच्च न्यायालय

कोच्चि, एजेंसी। केरल उच्च न्यायालय ने गर्भावस्था और मातृत्व के कारण महिलाओं को होने वाले नुकसान पर गौर करने के लिए लैंगिक अंतर से निपटने की जरूरत को रेखांकित किया है।

अदालत ने ये टिप्पणी एमडी रेडियो डायग्नोसिस की पढ़ाई कर रही दो महिला डॉक्टरों द्वारा दायर याचिका पर गौर करते हुए की, जिन्हें मातृत्व अवकाश के कारण अपने अनिवार्य सीनियर रेजीडेंसी कोर्स को पूरा करने में देरी का सामना करना पड़ा था। उच्च न्यायालय ने कहा, लैंगिक समानता यथार्थवादी होनी चाहिए। लिंग भेद की खाई को पाटने के लिए परिस्थितिजन्य विश्लेषण जरूरी है। यदि स्थितिजन्य वास्तविकता पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती है, तो यह जैविक कारकों के कारण अवसर से वंचित करने का कारण बन सकता है। पुरुष और महिलाएं प्रजनन का हिस्सा हैं, लेकिन पुरुषों को गर्भ धारण करने का कोई बोझ नहीं होने का फायदा है और वे सार्वजनिक नियुक्तियों में महिलाओं से आगे निकल सकते हैं। महिलाओं को गर्भ धारण करने के नुकसान का सामना करना पड़ता है क्योंकि गर्भावस्था की अवधि का उसे नुकसान हो सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि मातृत्व जटिल नुकसान का कारण बन सकता है, जिससे संभावित रूप से लिंग अंतर पैदा हो सकता है। अदालत ने कहा, मातृत्व भी जटिल नुकसान पैदा करता है। इसके परिणामस्वरूप लिंग अंतर हो सकता है। मातृत्व के कारण होने वाले नुकसान पर विचार न करने से भेदभाव होगा।

हालाँकि, इसने मातृत्व को एक बोझ के रूप में देखने को खारिज कर दिया और बाधाओं को दूर करने की वकालत की, जिससे महिलाएं सार्वजनिक नौकरियों के नियमों में पुरुषों के साथ समान रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकें। अदालत ने कहा, सार्वजनिक नौकरियों के नियमों से संबंधित नियम और कानून बनाते समय कानून और विनियमों को मातृत्व के आधार पर महिलाओं की ऐसी स्थितिजन्य वास्तविकता को संबोधित करने की आवश्यकता है।

उच्च न्यायालय ने कहा, महिला के प्रजनन अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं। किसी महिला के प्रजनन अधिकारों में माँ बनने या माँ न बनने का विकल्प चुनने का अधिकार शामिल है। मातृत्व भी महिलाओं की गरिमा का अभिन्न अंग है। केरल राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने सहायक प्रोफेसर पदों के लिए विज्ञापन दिया था, जिसके लिए एक वर्ष के वरिष्ठ रेजीडेंसी अनुभव की आवश्यकता होती है।

चूंकि इन चिकित्सा पेशेवरों ने मातृत्व अवकाश लिया था, इसलिए वे नवंबर 2023 की समय सीमा की बजाय जनवरी 2024 में ही एक साल की रेजिडेंसी पूरी कर सकते थे। देरी का कारण स्पष्ट रूप से मातृत्व अवकाश होने के बावजूद, दोनों को अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। इसके खिलाफ उनकी याचिका केरल प्रशासनिक न्यायाधिकरण द्वारा खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने माना कि मातृत्व के कारण महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्राथमिकता वाली समय सीमा के भीतर व्यक्तिगत अधिकारों और सार्वजनिक नौकरियों के व्यापक हितों को संतुलित करने की आवश्यकता है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।